26 अक्टूबर 2026 सोमवार
वर्ष : 19 अंक: 114
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH
हिंदी दैनिक

वाल्मिकी जयंती
की हार्दिक शुभकामनाये

lokhastakshep.com

खेल ROHIT SHARMA ने रिटायरमेंट पर पहली बार की खुलकर बात!.....7

गंगा के ऊपर गरजा भारत का शौर्य, काशी के आसमान में गूंजा वायु शक्ति का उद्घोष

- पीएम , रक्षा मंत्री , राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने देखा 'विंग्स ओवर गंगा' एयर शो
- राफेल, सुखोई, तेजस विमानों और सूर्यकिरण टीम के रोमांचक प्रदर्शन ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

वाराणसी,संवाददाता। मां गंगा की अविरल धारा, काशी के ऐतिहासिक घाट और आसमान में गूंजते भारतीय लड़ाकू विमानों की गगनभेदी गर्जना। कहीं राफेल की तेज रफ्तार, कहीं सुखोई की आक्रामक उड़ान, कहीं स्वदेशी तेजस के हैरतअंगेज हवाई करतब तो कहीं सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम की आसमान पर उकेरी गई कलात्मक आकृतियां। आध्यात्मिक नगरी काशी रविवार को भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस, तकनीकी सामर्थ्य और पेशेवर दक्षता की साक्षी बनी। मां गंगा के ऊपर आयोजित भव्य एयर शो 'विंग्स ओवर गंगा' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर वायु शक्ति का अद्भुत प्रदर्शन देखा। इस ऐतिहासिक आयोजन में सैन्य विमानन की विरासत, आधुनिक युद्धक क्षमता, स्वदेशी तकनीक और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति वायु योद्धाओं के समर्पण का प्रभावशाली संगम देखने को मिला। काशी के आसमान में जब विमानों की गर्जना गूंजी तो गंगा के दोनों तटों पर मौजूद दर्शकों की निगाहें आसमान पर टिक गईं। हर फॉर्मेशन के साथ रोमांच बढ़ता गया और हर करतब के बाद तालियों की गड़गड़ाहट वायु योद्धाओं के साहस और कौशल का अभिनंदन करती रही। यह केवल विमानों की उड़ान का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि बदलते समय के साथ भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता, युद्धक तैयारी, सटीक प्रहार क्षमता और तकनीकी विकास की यात्रा का जीवंत प्रस्तुतिकरण था।कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के प्रदर्शन के साथ हुई। हेलीकॉप्टरों के बीच सटीक तालमेल, नियंत्रित गति और समन्वित हवाई करतबों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसके बाद वायुसेना प्रमुख एवं भारतीय वायुसेना के समस्त वायु योद्धाओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत और अभिनंदन किया गया। वायुसेना प्रमुख ने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह में भारतीय वायुसेना के 94 गौरवशाली वर्षों की यात्रा को काशी की आध्यात्मिक विरासत से जोड़ते हुए कर्तव्य, त्याग और राष्ट्रसेवा के भाव को रेखांकित किया गया।फ्लाईपास्ट के अगले चरण में तीन एमआई–17 वी5 हेलीकॉप्टरों की 'ओंकार' फॉर्मेशन ने प्रवेश किया। ग्रुप कैप्टन अनुज गुप्ता के नेतृत्व में उड़ रहे हेलीकॉप्टरों पर राष्ट्रीय ध्वज और भारतीय वायुसेना के ध्वज लहरा रहे थे। भगवान शिव से जुड़े पवित्र 'ओंकार' के नाम वाली इस संरचना ने राष्ट्रभक्ति और आध्यात्मिक आस्था को एक साथ प्रस्तुत किया। इसके बाद ग्रुप कैप्टन दीपांकर दास के नेतृत्व में तीन चेतक हेलीकॉप्टरों की 'गंगा' फॉर्मेशन ने काशी के आकाश में प्रवेश किया। मां गंगा के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने के लिए हेलीकॉप्टरों से पुष्पवर्षा की गई। आकाश से बरसते फूलों और नीचे बहती गंगा के बीच बना यह दृश्य समारोह के सबसे भावपूर्ण क्षणों में शामिल रहा।इसके बाद आसमान में भारतीय वायुसेना के शक्तिशाली सुखोई–30 एमकेआई लड़ाकू विमान की गर्जना सुनाई दी। 'रुद्र' कॉल साइन के साथ विंग कमांडर एस. भार्गव के नेतृत्व में विमान ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। इसी क्रम में सुखोई–30 एमकेआई से जुड़े हवाई निगरानी और टोही कौशल का भी प्रदर्शन किया गया। स्क्वाड्रन लीडर निखिल बाबू ने 'शंकर' कॉल साइन के साथ इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल प्रणाली का उपयोग करते हुए वायुसेना की इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस क्षमताओं का परिचय दिया। 'भागीरथी' फॉर्मेशन में लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर और अमेरिकी मूल के अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का सटीक समन्वय दिखाई दिया।

पीएम पर खरगे की टिप्पणी से चढ़ा राजनीतिक पारा

कांग्रेस हर रोज अभद्रता की सीमाएं पार कर रही: शाह

एजेंसी नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पटना में एक सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता के लिए अमर्यादित टिप्पणी नं देश की राजनीति का पारा चढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता से तो मोदी का बाप भी जाएगा। खरगे की इस टिप्पणी पर बिफरी भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सारी मर्यादाएं तार–तार करने वाला बताया। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस हर रोज अभद्रता की सीमाएं पार करती जा रही है। बीते 12 वर्षों में लगातार मिल रही चुनावी हार से कांग्रेस में हताशा एवं निराशा इतनी बढ़ चुकी है कि अब उसके पास न तो कोई नीति बची है, न कोई मुद्दा, बस गाली–गलौज की राजनीति बची है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जनाधार खो चुकी कांग्रेस अब अपने कार्यकर्ताओं में भी आधार खोती जा रही है। जब–जब इन्होंने प्रधानमंत्री मोदी या उनके परिवार पर घृणित टिप्पणियां की हैं, तब–तब जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है। तो भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन इसे कांग्रेस का वैचारिक दिवालियापन करार दिया। पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए इस मुद्दे पर कांग्रेस को आईना दिखाने का प्रयास किया। बिहार भाजपा कार्यसमिति के एक सदस्य कृष्ण कुमार ने इस टिप्पणी को लेकर खरगे के विरुद्ध पटना के कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही भाजपा ने सोमवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। खरगे रविवार को बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए पटना में थे। खरगे ने अपने संबोधन के दौरान जब कहा कि कांग्रेस एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों में शामिल लोगों को जेल भेजेगी, तो सभा में मौजूद एक कार्यकर्ता (जिसका नाम संतोष कुमार बताया जा रहा है) ने कहा कि मोदी बिना बगावत के नहीं जाएंगे। लेकिन खरगे तक सिर्फ इतनी ही बात पहुंची कि मोदी नहीं जाएंगे।

दिल्ली में पटाखों के खिलाफ कार्रवाई

एजेंसी,नयी दिल्ली । उत्तर –पश्चिमी दिल्ली के हैदरपुर गांव में पुलिस ने एक गोदाम से 2,375 किलोग्राम हरित पटाखे जब्त कर इनके अवैध भंडारण के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह जानकारी रविवार को एक अधिकारी ने दी। पुलिस के अनुसार, उसे सूचना मिली थी कि हैदरपुर गांव के एक इलाके में स्थित गोदाम में अवैध रूप से पटाखे रखे गए हैं। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस की टीम गोदाम पहुंची, जहां ताला लगा हुआ था। उन्होंने कहा कि इसके बाद गोदाम के मालिक को बुलाया गया और परिसर की तलाशी ली गई। अधिकारी ने कहा, गोदाम के अंदर भारी मात्रा में हरित पटाखे मिले। संबंधित लोग पटाखों के भंडारण के लिए वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके बाद पटाखों को जब्त कर लिया गया। आरोपियों की पहचान रोहन गाबा और भव्य जग्गी के रूप में हुई है।

थाने के बाहर लोग दे रहे थे धमकीं:आईसा अध्यक्ष नेहा बोरा

एजेंसी,नयी दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा) की अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता नेहा बोरा ने आरोप लगाया है कि 24 अक्टूबर को अदालत में पेशी के लिए जाते समय पुलिस थाने के बाहर 50 से 60 लोगों की भीड़ ने उन्हें धमकाया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो बयान में नेहा बोरा ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई की जाती है, तो पुलिस थाने के बाहर कथित तौर पर धमकी देने वाली भीड़ को शांति भंग करने वाला क्यों नहीं माना जाता? नेहा बोरा के मुताबिक, 24 अक्टूबर को उन्हें विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई के लिए पेश होना था। जब वह पुलिस थाने की ओर बढ़ रही थीं, तो करीब 100 मीटर दूर से उन्हें वहां भीड़ दिखाई दी। उन्होंने आरोप लगाया कि 50 से 60 लोग लाउडस्पीकर पर कह रहे थे कि अगर नेहा बोरा आज यहां आती हैं, तो देखते हैं उन्हें कौन बचाता है। उनके अनुसार, भीड़ ने 'नेहा बोरा मुर्दाबाद' के नारे भी लगाए और धमकियां दीं। नेहा ने दावा किया कि पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

हैदराबाद में भगवान राम की मूर्ति हटाने पर सियासी बवाल

एजेंसी,हैदराबाद । हैदराबाद में भगवान राम की मूर्ति हटाए जाने के बाद तेलंगाना की राजनीति में विवाद गहरा गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इस मामले को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर हिंदू विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया है। वहीं, प्रशासन का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर नियमों के विरुद्ध मूर्तियां स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) समेत कई हिंदू संगठनों ने विरोध जताया है। मामला हैदराबाद के बशीरबाग इलाके का है, जहां दशहरे से पहले कुछ हिंदू संगठनों ने चौराहे पर भगवान राम की मूर्ति स्थापित की थी। दशहरा कार्यक्रम संपन्न होने के बाद संगठनों ने मूर्ति को उसी स्थान पर बनाए रखने और चौराहे का नाम बदलकर श्रीराम चौक करने की मांग उठाई। प्रशासन को इसकी जानकारी मिलने के बाद संबंधित ट्रस्ट को मूर्ति हटाने का आदेश दिया गया।

मूर्ति हटाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने लगा फैसले का विरोध कर रहे संगठनों के बीच नगर प्रशासन ने सार्वजनिक स्थानों के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का हवाला दिया।

राष्ट्रीय नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल गलत, जयशंकर ने स्पष्ट किया भारत का रुख

एजेंसी,नयी दिल्ली । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि आतंकवाद का इस्तेमाल किसी देश की नीतियों को आगे बढ़ाने के साधनश के रूप में करना पूरी तरह अस्वीकार्य है तथा इसे कभी उचित नहीं ठहराया जा सकता और न ही इसके पक्ष में कोई तर्क दिया जा सकता है।

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद का खतरा इसलिए बना हुआ है, क्योंकि सभी देश इसे बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति वास्तव में नहीं अपनाते हैं। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में किसी देश का नाम लिए बगैर कहा कि इतिहास में आतंकवाद से जुड़े कई सबक मिलने के बावजूद कुछ देश अब भी राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देते हैं। चिन्मय मिशन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने शांति के महत्व पर जोर दिया, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आइए, शांति की अविभाज्यता पर विचार करें। कहीं भी युद्ध होना, हर जगह शांति के लिए खतरा है। जयशंकर ने कहा, आतंकवाद शांति के लिए एक और घातक खतरा है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सामाजिक समरसता, न्याय एवं मानवता के उद्घोषक आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की पावन जयंती पर आप सभी को हृदय से बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। **महर्षि वाल्मीकि जी केवल भारतीय संस्कृति के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं।** उन्होंने अपनी अमर कृति रामायण के माध्यम से सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का जो संदेश दिया है, वह युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा।

क्रौंच पक्षी के वध से उपजी करुणा महर्षि वाल्मीकि जी के मुख से प्रथम श्लोक के रूप में प्रकट हुई और इसी से रामायण की रचना का मार्ग प्रशस्त हुआ। **भगवान श्रीराम के चरित्र को जीवंत करते हुए उन्होंने ऐसे आदर्श समाज की कल्पना प्रस्तुत की, जिसमें प्रेम, न्याय, समरसता और बंधुत्व सर्वोपरि हों। भगवान श्रीराम ने निषादराज को आत्मीय मित्र बनाया, जिसे वाल्मीकि रामायण में कहा गया है कि 'तत्र राजा गुहो नाम रामस्यात्मसमः सखा।'** यह प्रसंग हमें स्मरण कराता है कि सामाजिक पहचान से ऊपर उठकर आत्मीयता, सम्मान और समानता का भाव ही समाज को जोड़ता है। रामराज्य की परिकल्पना भी प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण पर आधारित है। आज उत्तर प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मीकि जी के इन्हीं आदर्शों को आत्मसात कर समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान में जुटी है।

हमारी सरकार ने महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके पावन स्थलों के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। चित्रकूट स्थित उनके पावन साधना स्थल के विकास की पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, ताकि श्रद्धालु और युवा पीढ़ी उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। जहां रामायण की रचना हुई उस बिठूर में भी महर्षि वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास एवं संरक्षण के लिए विभिन्न कार्य किए गए।

अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को महर्षि वाल्मीकि जी का नाम दिया जाना उनकी विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान करता है। प्रदेश में वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है। साथ ही, हमारी सरकार वंचित एवं पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं का मर्म तभी साकार होगा, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिलें। **इसी भावना से हमारी सरकार ने स्वच्छताकर्मियों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की हैं। वनटांगिया समाज के गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा देने के साथ ही मुसहर, कोल, थारू और घुमंतू समुदायों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही, वंचित समाज के पात्र परिवारों को भूमिधरी अधिकार प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक जीवन का आधार उपलब्ध कराया जा रहा है।**

महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर मैं आप सभी युवाओं से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि युवा ऊर्जा के प्रेरणा पुंज भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करते हुए यह संकल्प लें कि किसी प्रकार का भेदभाव नहीं मानेंगे। जब मन से ऊंच-नीच की दीवारें टूटेंगी, तभी समरस समाज का स्वप्न साकार होगा। जय श्रीराम!

आपका
योगी आदित्यनाथ

समरस यूपी
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

MARUTI SUZUKI
NEXA

EXPERIENCE GRAND IN EVERY DRIVE
WITH THE **GRAND VITARA.**

STRONG HYBRID
STARTING PRICE
₹ 10.77 LAKH^
GRAND VITARA

R17 MACHINED ALLOY WHEELS

6 AIRBAGS AS STANDARD

NEXA SAFETY SHIELD

SCAN TO CONNECT TO
A SHOWROOM NEAR YOU

T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. For details on safety features (including airbags), refer owner's manual. NEXA dealers exclusively provide all offers, which vary by model and variant. Offers are subject to availability of stock. ^Ex showroom price shown is for Grand Vitara Sigma variant in Delhi. Maruti Suzuki may withdraw offers without notice. Offer valid till limited period. Features and accessories shown may not be part of the standard fitment.

काशी के आसमान में दिखा सशक्त भारत का शौर्य पीएम मोदी के साथ साक्षी बने मंत्री दयाशंकर सिंह

मां गंगा के तट पर उमड़ा जनसैलाब आत्मनिर्भर भारत की भव्य तस्वीर:परिवहन मंत्री

विशेष संवाददाता, वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट पर रविवार को भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य श्विंग्स ओवर गंगाश एयर शो का फाइनल मुकाबला देखने को मिला। इस ऐतिहासिक और अदम्य शौर्य के क्षणों के साक्षी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी बने।

गंगा किनारे गूंजी सुखोई और राफेल की दहाड़

वायुसेना के लड़ाकू विमानों राफेल, सुखोई–30 और स्वदेशी तेजस ने जब काशी के अनंत आकाश में हैरतअंगेज कलाबाजियां दिखाईं, तो घाटों पर मौजूद लाखों की भीड़ 'हर–हर महादेव' के उद्घोष से गूंज उठी। सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के 9 हॉक विमानों ने आसमान में तिरंगा बनाकर देश के पराक्रम का प्रदर्शन किया।

सशक्त व आत्मनिर्भर नए भारत की भव्य तस्वीर :दयाशंकर सिंह

इस अद्भुत नजारे और प्रधानमंत्री के काशी आगमन को लेकर उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भारी उत्साह व्यक्त किया। मंत्री दयाशंकर सिंह ने सोशल मीडिया पर इस गरिमामयी क्षण की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, अविनाशी काशी के अनंत आकाश में भारतीय वायुसेना का यह अदम्य पराक्रम और मां गंगा के पावन तटों पर उमड़ा जन–जन का यह अद्वितीय उत्साह देखकर मन गर्व से भर जाता है। यह भव्य दृश्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनते नए भारत की सबसे सुंदर तस्वीर पेश करता है।

विकास और रोजगार को भी मिली नई रफ्तार

रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिर्जामुराद के खोचवां में करीब ध150 करोड़ की लागत से तैयार अरविंद कपड़ा मिल्स का भी उद्घाटन किया, जिससे स्थानीय स्तर पर हजारों महिलाओं को रोजगार मिलेगा।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने प्रधानमंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि काशी आज न सिर्फ सुरक्षा और सैन्य मामलों में देश का गौरव बढ़ा रही है, बल्कि औद्योगिक विकास और महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल भी बन रही है।

उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण की ई-नीलामी से संपत्ति खरीदने का अवसर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव । सचिव उन्नाव शुक्ला गंज विकास प्राधिकरण श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उन्नाव–शुक्लागंज विकास प्राधिकरण, उन्नाव द्वारा अपनी विभिन्न आवासीय योजनाओं में उपलब्ध व्यावसायिक एवं आवासीय संपत्तियों की बिक्री ई–नीलामी के माध्यम से की जाएगी। प्राधिकरण ने इसके लिए ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसकी नीलामी प्रक्रिया दिनांक 27.10.2026 से प्रारंभ होगी।

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार इस ई–नीलामी में व्यावसायिक संपत्तियां, आवासीय भूखंड एवं अन्य विकसित संपत्तियां शामिल हैं। इच्छुक व्यक्ति घर बैठे पारदर्शी व निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत बोली लगाकर संपत्ति क्रय कर सकते हैं। इसके लिए आवेदकों को निर्धारित तिथि तक http://usdaunnao-in पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के बाद ही ई–नीलामी में प्रतिभाग किया जा सकेगा।

बिल्डर की गिरफ्तारी पर सांसद ने उठाए सवाल,गैंगेस्टर लगाने और संपत्ति नीलाम करने की मांग

सीतापुर,संवाददाता। जनपद में केशव ग्रीन सिटी के बिल्डर मुकेश अग्रवाल समेत सात लोगों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में गिरफ्तारी न होने पर कांग्रेस सांसद राकेश राठौर ने मोर्चा खोल दिया है। रविवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। साथ ही किसान मंच के नेता शिव प्रकाश की अगुवाई में मंगलवार से शुरू होने वाले अनिश्चितकालीन धरने को समर्थन देने का ऐलान किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग आरोपियों की गिरफ्तारी और पीड़ितों को राहत दिलाना है। सांसद राकेश राठौर ने आरोप लगाया कि केशव ग्रीन सिटी में कथित तौर पर अवैध प्लाटिंग कर लोगों को जमीन बेची गई। आवासीय योजना के लिए उपयुक्त नहीं होने वाली जमीनों को भी कूटरचित दस्तावेजों के सहारे बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पहले भी प्रशासन को आगाह किया गया था, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

सांसद के मुताबिक, बाढ़ के दौरान केशव ग्रीन सिटी के बाशिंदों को परेशानी होने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। इसके बाद सरकारी अधिकारी की ओर से बिल्डर समेत करीब सात लोगों के खिलाफ 16 अक्टूबर को गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया। इसके बावजूद अब तक गिरफ्तारी नहीं होने पर उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। सांसद ने कहा कि जब मुकदमा सरकारी अधिकारी की ओर से दर्ज कराया गया है, तब भी कार्रवाई नहीं होना चिंताजनक है। उन्होंने बिल्डर को भूमाफिया घोषित करने, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने और कथित तौर पर अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति की जांच कर उसे नीलाम करने की मांग की। उनका कहना है कि इससे केशव ग्रीन सिटी के प्रभावित लोगों को राहत मिल सकेगी। किसान मंच के नेता शिव प्रकाश मंगलवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे।

शौचालय आवेदन निरस्त होने पर मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। विकास खंड सकरन के ग्राम गड़रियनपुरवा (मदनापुर) की ऊषा देवी ने शौचालय आवेदन (संख्या 2362448865) निरस्त होने पर मुख्यमंत्री से उच्च स्तरीय जांच की गुहार लगाई है। विभाग ने संयुक्त परिवार और सास के नाम शौचालय डिमांड का हवाला देकर उन्हें अपात्र घोषित किया था। आवेदिका ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर जांच रिपोर्ट को खारिज किया है। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने बिना मौके पर जाए, नियमों के विरुद्ध जियोटैगिंग और स्पॉट मेमो के बिना ही कागजी रिपोर्ट लगा दी। ऊषा देवी ने पूर्व जांचकर्ता को हटाकर किसी निष्पक्ष वरिष्ठ अधिकारी से स्थलीय जांच कराने और दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गेहूं पिसाने निकला था युवक, वापस नहीं लौटा, माइनर में मिला शव

हरदोई,संवाददाता। जिले में गेहूं पिसाने के लिए घर से निकले एक युवक का शव अगले दिन दूसरे गांव के पास माइनर में उतराता मिला। युवक शनिवार शाम साइकिल से निकला था, लेकिन रातभर तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला। रविवार सुबह शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। युवक की साइकिल का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, सुरसा थाना क्षेत्र के बजानीपुरवा मजरा खजुरहरा निवासी 32 वर्षीय रामू पुत्र श्रीकृष्ण कुमार खेती–बाड़ी करता था। उसके भाई मुकेश ने बताया कि शनिवार शाम रामू गेहूं पिसाने के लिए साइकिल से गोरही मजरा खजुरहरा जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। गोरही में पता करने पर जानकारी मिली कि रामू वहां पहुंचा ही नहीं था।

इसके बाद परिवार के लोग रातभर उसे तलाशते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह शहर कोतवाली क्षेत्र के भदैचा गांव के पास एक माइनर में रामू का शव उतराता दिखाई दिया। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। शव की पहचान रामू के रूप में हुई। प्रारंभिक तौर पर माइनर में गिरकर डूबने से मौत होने की बात कही जा रही है। हालांकि, युवक घर से जिस साइकिल पर निकला था, उसका पता नहीं चल सका है। साइकिल के नहीं मिलने से घटना को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है। युवक किन परिस्थितियों में माइनर तक पहुंचा और उसकी साइकिल कहां है, इन पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। रामू के परिवार में पत्नी सुनीता और एक बेटा कृष्णा है। युवक की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

चौधरी चरण सिंह पार्क में रावण दहन

सीतापुर,संवाददाता। सरैयां स्टेशन के चौधरी चरण सिंह पार्क में 25 अक्टूबर 2026 को दशहरा मेला महोत्सव का आयोजन हुआ। शाम करीब छह बजे रावण दहन किया गया। हजारों क्षेत्रवासी महिला और पुरूष बच्चों के साथ मेला देखने पहुंचे, जिससे पूरा परिसर उत्सव के माहौल में डूबा रहा। मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग आए। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने दशहरा मेले का भर पुर आनंद लिया। रावण दहन ने समाज को बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया, जिसने क्षेत्र में मेलजोल और सामाजिक सद्भाव को मजबूत किया। कार्यक्रम में नीरज यादव, अनिल यादव, विनीत यादव, जिला पंचायत

विज्ञान मेले में भैया बहनों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

फतेहपुर। खागा स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज खागा में आज संकुल स्तरीय विज्ञान मेला एवं सांस्कृतिक महोत्सव संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कानपुर प्रांत के प्रदेश निरीक्षक अयोध्या प्रसाद मिश्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन से की। विद्यालय के प्रधानाचार्य गजेंद्र सिंह ने बलराम सिंह एवं श्रीमती वर्षा शुक्ला का श्रीफल, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। विज्ञान मेले में विज्ञान प्रश्न मंच ,विज्ञान मॉडल,विज्ञान नवाचार पर आधारित प्रतियोगिताएं, संस्कृति महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक प्रश्न मंच ,लोक नृत्य ,मूर्ति निर्माण एवं पत्र वाचन से संबंधित प्रतियोगिताएं एवं वैदिक गणित के अंतर्गत वैदिक गणित प्रश्न मंच ,वैदिक गणित प्रदर्श, वैदिक गणित मॉडल एवं पत्र वाचन से संबंधित प्रतियोगिताएं विज्ञान मेले के अंतर्गत संपन्न हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य गजेंद्र सिंह ने प्रतियोगिता के परिणाम को घोषित किया । प्रदेश निरीक्षक अयोध्या प्रसाद मिश्र ने भैया बहनों को प्रांत स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की तथा उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं भी प्रदान की। कार्यक्रम संयोजक दीपक कुमार गुप्ता जी के निर्देशन में समस्त प्रतियोगिताएं कुशलतापूर्वक संपन्न हुई। विज्ञान मेले में संपूर्ण विद्या मंदिर परिवार उपस्थित रहा।

कुंभकरण, इंद्रजीत और रावण वध के साथ धर्म की विजय

साकेत धाम में रावण दहन पर गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। साकेत धाम श्रीरामलीला मैदान में आयोजित रामलीला में कुंभकरण वध, इंद्रजीत वध और रावण वध की लीलाओं का भव्य मंचन किया गया। युद्ध के रोमांचक दृश्यों और कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्धा कर दिया। जैसे–जैसे राम और रावण की सेना के बीच युद्ध आगे बढ़ा, वैसे–वैसे मैदान में मौजूद श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। रावण दहन के साथ पूरा परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा और बुराई पर अच्छाई तथा अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया।

श्री बृजराज राजेश्वरी लीला संस्थान के संस्थापक स्वामी सुरेश ठाकुर बृजवासी के सानिध्य में मंचित लीला में सबसे पहले कुंभकरण वध का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। विशालकाय कुंभकरण को युद्धभूमि में उतारकर रावण ने भगवान श्रीराम की सेना को चुनौती दी। कुंभकरण ने वानर सेना पर भीषण प्रहार किए, लेकिन अंततः भगवान श्रीराम के बाणों से उसका अंत हुआ। इसके बाद मेघनाद यानी इंद्रजीत के वध का प्रसंग मंचित किया गया। अपनी मायावी शक्तियों और युद्ध कौशल के लिए प्रसिद्ध इंद्रजीत ने युद्ध में कठिन चुनौती पेश की, लेकिन लक्ष्मण ने उसका वध कर रावण की सेना को बड़ा झटका दिया।

इसके बाद राम–रावण युद्ध का मंचन हुआ। अपने भाई कुंभकरण और पुत्र इंद्रजीत के मारे जाने के बाद रावण स्वयं युद्धभूमि में उतरा। भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुए भीषण युद्ध को देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। अंततः भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर लंका विजय का मार्ग प्रशस्त किया। रावण दहन के साथ ही मैदान में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। लीला के माध्यम से संदेश दिया गया।

इंटरसिटी एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़,संवाददाता। वाराणसी से लखनऊ जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी के मामले में जीआरपी प्रतापगढ़ ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में ट्रेन मैनेजर हरिकेश कुमार घायल हो गए थे। पुलिस ने रविवार शाम करीब 5 बजे दोनों आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद न्यायालय में पेश किया। यहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, 20 अक्टूबर को ट्रेन संख्या 24203 वाराणसी–लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस अमेठी रेलवे स्टेशन के आउटर से गुजर रही थी। इसी दौरान ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। पत्थर लगने से ट्रेन मैनेजर हरिकेश कुमार को चोटें आई।

जिले में पीईटी के लिए 13 केंद्रों पर सरव्ती,आभूषण, माला और धागे उतरवाए

सीतापुर,संवाददाता। जिले में रविवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के लिए 13 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। केंद्रों पर अभ्यर्थियों की तीन स्तरों पर सघन तलाशी ली जा रही है। जांच के दौरान आभूषण, माला और धागे तक उतरवाए जा रहे हैं। विवाहित महिला अभ्यर्थियों को पायल और चूड़ियां उतारकर अपने परिजनों को सौंपनी पड़ीं। जिले में पीईटी दो पालियों में आयोजित की जा रही है। दोनों पालियों में कुल 11,184 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रत्येक पाली में 5,592 अभ्यर्थियों के परीक्षा देने की व्यवस्था की गई है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी।

परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में 7 क्षेत्राधिकारी (सीओ), 13 इंस्पेक्टर और 26 सब इंस्पेक्टर समेत कुल 512 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि कोई प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा कक्ष तक न पहुंच सके। परीक्षा केंद्रों के आसपास भी निगरानी रखी जा रही है। सभी केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में फोटोकॉपी की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकना और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखना है। परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय के अनुसार जांच के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ केंद्रों के आसपास भी निगरानी की जा रही है, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके।

कांग्रेस ने वोट-चोर गद्दी छोड़ नारे के साथ बाइक रैली निकाली

रायबरेली,संवाददाता। सलोन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीह और छतोह ब्लॉक में बाइक रैली निकाली। उन्होंने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए। यह प्रदर्शन मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और भाजपा को फायदा पहुंचाने के आरोपों के खिलाफ था। कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने मतदाता सूची को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की मांग की, ताकि हर नागरिक के वोट देने के अधिकार की रक्षा हो सके। रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। डीह ब्लॉक अध्यक्ष शिवदर्शन पासी, छतोह ब्लॉक अध्यक्ष अनुराग द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष किरण समेत कई नेता और सैकड़ों साथी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 56 मरीजों का इलाज

रायबरेली,संवाददाता। जिले के जगतपुर स्थित हरदी टीकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। इसमें ग्रामीण इलाकों के 56 मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराकर जांच और इलाज करवाया। सुबह से ही महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग मरीज मेले में पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से सलाह ली और जरूरी जांचें भी कराईं। यह मेला आयुष्मान भव अभियान के तहत लगाया गया था, जिसकी अध्यक्षता मुख्य डॉक्टर सुफैल अहमद ने की। उन्होंने बताया कि मेले में खांसी, जुकाम, बुखार, हाइपरटेंशन, एनीमिया और एलर्जी जैसी सामान्य बीमारियों के मरीज आए। सभी मरीजों की जांच कर उन्हें मौके पर ही इलाज दिया गया। मरीजों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अलग–अलग जांच काउंटर भी लगाए थ

सपा विधायक राहुल लोधी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात

रायबरेली,संवाददाता। हरचंदपुर विधानसभा की ग्रामसभा अखऊपुर के पूरे तिवारी गांव के नवल लोधी संदिग्ध हालात में मृत पाए गए। इस घटना से परिवार में दुख का माहौल है। सपा विधायक राहुल लोधी ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। विधायक ने कहा कि घटना की सच्चाई सामने आनी चाहिए और हर पहलू की गंभीरता से जांच हो। दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और किसी निर्दोष के साथ अन्याय न हो।

विधायक मनीष रावत नें किया कथा श्रवण

सीतापुर,संवाददाता। जिले के अटरिया थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। इसमें सिधौली विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक मनीष रावत शामिल हुए। उन्होंने कथा का श्रवण किया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कथा के माध्यम से लोगों को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और धर्म के महत्व को जानने का अवसर मिला। विधायक मनीष रावत की मौजूदगी में गांव में भक्ति का माहौल दिखा। ऐसे कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने में मदद करते हैं।

बाइक और ट्रक की टक्कर में पांच लोग घायल

प्रतापगढ़,संवाददाता। जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र में रविवार को बाइक और आईसर ट्रक की टक्कर हो गई। इस घटना में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला, एक पुरुष और तीन बच्चे शामिल हैं। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, संग्रामपुर थाना क्षेत्र के गरौली का पुरवा निवासी योगेश पुत्र जगजीवन लाल श्रीवास्तव अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ बाइक से जा रहे थे। देहात कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गौरी के पास सामने से आ रहे आईसर ट्रक से उनकी बाइक टकरा गई।

वोट चोरी के विरोध में कांग्रेस की पदयात्रा निकली

सीतापुर,संवाददाता। हरगांव में कांग्रेस ने वोट बचाओ, देश बचाओ नारे के साथ पदयात्रा निकाली। जिलाध्यक्ष ममता वर्मा के नेतृत्व में पिपरा से महोली तिराहे तक हुई इस यात्रा में कथित वोट चोरी का विरोध किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठी। कांग्रेस नेताओं ने मताधिकार की रक्षा का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

ममता वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार को हटाने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने जनता से लोकतंत्र और वोट के अधिकार की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। किसान कांग्रेस प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। पदयात्रा का समापन हरगांव स्थित सूर्यकुंड तीर्थ पर हुआ। इस दौरान ब्रज मौर्य, राजेश तोमर, मंजरी राही, दानिश नकवी, संजीत गुप्ता, विनीत दीक्षित, प्रदीप सिंह चौहान, संतोष भार्गव, बशरत खान, रमेश निषाद, ओमकार नाथ मिश्रा और जितेंद्र शुक्ला समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया

रायबरेली,संवाददाता। जिले में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने आज नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया। नियुक्ति पत्र बांटे गए और एक प्रेस वार्ता हुई, जिसमें संगठन विस्तार पर जोर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव बाबा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि समाज के लिए काम करके हम सामाजिक मूल्यों का संरक्षण करते हैं। जिलाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ने युवाओं को सामाजिक विकास में आगे आने को कहा। प्रदेश महासचिव अनुराग श्रीवास्तव भी मौजूद थे। प्रदेश नेतृत्व की मौजूदगी में कई पदाधिकारियों को संगठन की जिम्मेदारियां मिलीं। इनमें जिला संरक्षक, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी और फोटोग्राफी प्रभारी जैसे पद शामिल हैं। प्रेस वार्ता में संगठन के विस्तार, सामाजिक एकता और भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। प्रदेश नेतृत्व ने जनपद स्तर पर आपसी तालमेल से काम करने पर जोर दिया।नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप सक्रियता से कार्य करते हुए समाज को संगठित करने और सामाजिक हितों से जुड़े विषयों पर अपनी भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के माध्यम से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों को गति देने की दिशा में कदम बढ़ाया।

डाक्टरों ने रेफर की डेड बॉडी! निजी हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत पर पति का आरोप

हरदोई,संवाददाता। निजी हास्पिटल में बरती गई लापरवाही से एक और प्रसूता की मौत होने पर बवाल हो गया। पति का आरोप है कि प्रसव के बाद हालत बिगड़ने पर मौत हो गई, लेकिन अपना बचाव कर रहे डाक्टरों ने डेड बॉडी को लखनऊ रेफर कर दिया। पुलिस ने दी गई तहरीर पर पोस्टमार्टम कराने के लिए प्रसूता का शव कब्जे में लेते हुए छानबीन शुरु कर दी, पुलिस का का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामला कोतवाली शहर के सर्कुलर रोड (बिलग्राम चुंगी से साण्डी चुंगी के बीच) स्थित एक निजी हास्पिटल से जुड़ा है। सुरसा थाने के पौथेपुरवा मजरा महुंरा कला निवासी सुनील की 29 वर्षीय पत्नी ज्योति को 23 अक्टूबर की दोपहर प्रसव के लिए उसी निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। उसके अगले दिन ज्योति के प्रसव कराया गया, लेकिन उसी दिन देर रात को ज्योति की तबियत बिगड़ गई,उसके तेज दर्द के साथ ब्लीडिंग होने लगी। पति सुनील का आरोप है बार–बार कहने के बाद भी डाक्टर या स्टाफ ने कोई ध्यान नहीं दिया,नतीजतन ब्लीडिंग होती रहने से ज्योति की वहीं मौत हो गई। सुनील का कहना है कि जब वह जोर–जोर से चिल्लाने लगा तो डाक्टरों ने अपना बचाव करते हुए डेड बॉडी को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया,लेकिन कुछ ही देर बाद उनकी इस तरह की हरकत पकड़ में आ गई तो उसके ऊपर सुलह–समझौते का दबाव बनाया जाने लगा। ज्योति की मौत की खबर सुनते ही उसके मायके पहुंच गए। शव को निजी हास्पिटल के आगे रख कर खूब हंगामा हुआ,उसके बाद वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए छानबीन शुरु कर दी। ज्योति का मायका कोतवाली शहर के भदैचा गांव में बताया गया है, उसके पिता जयपाल और भाई उत्तम कुमार ने खुलकर डाक्टरों की लापरवाही से मौत होने का आरोप लगाया है।

खरगे के विवादित बोल पर यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का पलटवार

यह अराजकता और गाली-गलौज की राजनीति है : बृजेश पाठक

श्वेताभ दुबे

लखनऊ। पटना में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्गीय पिता को लेकर दिए गए विवादित बयान पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कड़ी आपत्ति जताते हुए तीखा हमला बोला है।

ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ‘अराजकता, गाली–गलौज और झूठ ही यही कांग्रेस की असली राजनीतिक संस्कृति है। कभी गुंडे–मवालियों से जोड़ी जाने वाली भाषा आज कांग्रेस अध्यक्ष के बयानों में साफ दिखाई दे रही है। मानसिक संतुलन खो चुकी लगातार चुनाव हारने की हताशा में कांग्रेस के नेता अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं और अब देश के प्रधानमंत्री के माता–पिता पर ओछी राजनीति कर रहे हैं। किसी के स्वर्गीय पिता के लिए सार्वजनिक मंच से ऐसी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना यह दिखाता है कि कांग्रेस की राजनीति का स्तर कितना नीचे गिर चुका है।

क्या है पूरा मामला?

बिहार की राजधानी पटना में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम में भाषण के दौरान जब भीड़ से किसी व्यक्ति ने चिल्लाकर कहा कि ‘मोदी नहीं जाएगा’, तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अपना आपा खो बैठे। उन्होंने मंच से प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ‘मोदी का बाप भी जाएगा, बाप भी जाएगा।’ इस टिप्पणी के बाद कार्यक्रम स्थल पर भारी हंगामा शुरू हो गया और भाजपा नेताओं ने इसे प्रधानमंत्री के स्वर्गीय परिवार का घोर अपमान बताया।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि जब–जब देश की जनता द्वारा पूर्ण बहुमत से चुने गए यशस्वी प्रधानमंत्री के खिलाफ कांग्रेस के पास कोई नीतिगत मुद्दा नहीं होता, तो वे नीच स्तर की भाषा और व्यक्तिगत आक्षेपों पर उतर आते हैं। पाठक ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं की एक सीमा होती है, जिसे कांग्रेस आलाकमान ने पूरी तरह तार–तार कर दिया है।

वाल्मीकि आश्रम जाएंगे मुख्यमंत्री आदिकवि को अर्पित करेंगे श्रद्धा-सुमन

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को बिठूर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री यहां वाल्मीकि आश्रम में रामायण पाठ व पूजा में शामिल होंगे और महर्षि वाल्मीकि को अपने श्रद्धा–सुमन अर्पित करेंगे। मान्यता है कि इसी आश्रम में महाकाव्य रामायण की रचना हुई और माता सीता को आश्रय मिला था। यहीं भगवान श्रीराम के पुत्रों लव–कुश का जन्म हुआ। मुख्यमंत्री इस अवसर पर बिल्हौर व बिठूर विधानसभा क्षेत्रवासियों को 411 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे। वह विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी करेंगे।योगी सरकार महाकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की विरासत को संरक्षित करने और त्रेता युगीन परंपरा को विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में धार्मिक–सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ उनसे जुड़े पौराणिक स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। रामायण सर्किट, राम वन–गमन पथ के तहत अयोध्या, चित्रकूट व इटावा आदि में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। योगी सरकार 26 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में रामायण से जुड़े अनेक धार्मिक स्थल हैं। प्रदेश सरकार रामायण सर्किट और राम वन गमन पथ के माध्यम से इन स्थलों के संरक्षण, विकास और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार पर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग महर्षि वाल्मीकि से जुड़े स्थलों को संवारकर धार्मिक पर्यटन को विस्तार दे रहा है। चित्रकूट के लालापुर स्थित वाल्मीकि आश्रम पर विशेष फोकस है। यहां 19.95 लाख रुपये से 12.5 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है, जबकि आश्रम के विकास पर 184.95 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। आश्रम के निकट 1120.79 लाख रुपये से पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण भी लगभग पूरा है। वित्त वर्ष 2025–26 में लालापुर के प्राचीन हनुमान मंदिर के विकास, तमसा गंगा नदी पर वाल्मीकि घाट निर्माण और आश्रम में परिक्रमा पथ व आरती स्थल के विकास के लिए क्रमशः 166.24 लाख, 905.08 लाख और 525.77 लाख रुपये की परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

काशीवासियों के अभिवादन के लिए कार से बाहर आए प्रधानमंत्री,नमो घाट तक दिखा उत्सवी माहौल

□ ‘जय श्रीराम’, ‘हर–हर महादेव’ और ‘मोदी–मोदी’ के नारों से गूंजा मार्ग

वाराणसी,संवाददाता। भारतीय वायु सेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर वाराणसी में ‘विंग्स ओवर गंगा’ एयर शो देखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को वाराणसी में थे।

इस दौरान काशी ने सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक अंदाज में प्रधानमंत्री और अपने सांसद का भव्य स्वागत किया। पुलिस लाइन हेलीपैड से नमो घाट तक करीब आठ किलोमीटर के मार्ग पर जगह–जगह उत्सव जैसा माहौल नजर आया। भाजपा कार्यकर्ताओं और काशीवासियों ने पुष्पवर्षा कर पीएम मोदी का अभिनंदन किया। काशीवासियों का उत्साह देखकर प्रधानमंत्री ने कार से बाहर निकलकर हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पूरे मार्ग को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रास्ते में 12 पॉइंट बनाकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

कहीं ढोल–नगाड़ों की गूंज सुनाई दी, तो कहीं डमरू वादन, शंखनाद और पारंपरिक नृत्य के जरिए काशी की सांस्कृतिक छटा देखने को मिली। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग अपने सांसद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक झलक पाने के लिए खड़े थे। काशीवासियों ने ‘जय श्रीराम’, ‘हर–हर महादेव’ और ‘मोदी–मोदी’ के नारों के साथ प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया। नमो घाट की ओर बढ़ते काफिले के साथ सड़क के किनारे खड़े लोग लगातार अपने मोबाइल कैमरों से प्रधानमंत्री की फोटो खींचते दिखाई दिए। पीएम को देखते ही उनका जोश दोगुना हो जाता था और वे उनके समर्थन में नारे लगाने लगते।

भाजपा सरकार में खुद को ठगा महसूस कर रहा किसान:अखिलेश

परेशान किसान 2027 में लायेगा समाजवादी पार्टी की सरकार

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है। इस सरकार ने किसानों से झूठे वादे किये। उन्हें धोखा दिया। भाजपा ने किसानों की आय दुगुनी करने का वादा किया था लेकिन बढ़ती महंगाई में आय आधी भी नहीं रह गयी। खेती–किसानी घाटे का सौदा साबित हो रहा है। खाद, बीज कीटनाशक, डीजल, उर्वरक, सब के दाम बढ़ गये है लेकिन किसान को उसकी फसल की लागत भी नहीं मिल रही है। भाजपा सरकार में किसान को फसल की बुआई से लेकर बिकने तक हर स्तर पर परेशानी उठाने के साथ नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा सरकार किसानों को झूठी दिलासा देती है।पहले किसानों को समय पर खाद, बीज और पानी नहीं मिल रही थी। सिंचाई के लिए समय पर बिजली नहीं मिलती। जब अपनी मेहनत और लागत लगाकर किसान फसल पैदा कर लेता है तो उसकी कीमत नहीं मिलती है। किसानों को धान, आलू, मक्का समेत अन्य फसलों का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। धान के किसानों को लागत मूल्य की अपेक्षा प्रतिकुलत एक हजार रूपये तक का नुकसान उठा कर बेचना पड़ रहा है। धान क्रय केन्द्रों को पता नहीं है। बिचौलिए किसानों से औने–पौने दाम पर धान खरीद कर मुनाफा कमा रहे है। आलू किसानों को कीमत गिरने से भारी नुकसान हो रहा है। किसानों को खरीदार नहीं मिल रहे हैं। सरकार पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट करा रही है। लेकिन उसका मुनाफा गन्ना किसानों को नहीं मिल रहा है। नया पेराई सत्र आ गया है लेकिन कई चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का सैकड़ों करोड़ रूपये बकाया है।भाजपा सरकार में किसान उपेक्षित और परेशान है। भाजपा ने किसानों को बर्बाद कर दिया। सरकार किसानों का हर तरह से पोषण कर रही है। पिछले दिनों बाढ़, बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ लेकिन भाजपा सरकार ने कोई मदद नहीं की। शोषण, उपेक्षा भाजपा के धोखे से परेशान किसान 2027 में भाजपा सरकार

डिप्टी सीएम ने दी वाल्मीकि जयन्ती पर देश व प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ,संवाददाता। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने देश व प्रदेशवासियों को महर्षि बाल्मीकि जयन्ती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री मौर्य ने कहा है कि महर्षि बाल्मीकि ने रामायण की रचना कर देश और दुनिया को सत्य के रास्ते पर चलने का महत्वपूर्ण सन्देश दिया। भगवान श्रीराम की गौरवगाथा को जन–जन तक पहुंचाने में महर्षि वाल्मीकि ने अपनी प्रज्ञा के आलोक से सबको आलोकित किया था। भगवान श्रीराम के जीवन दर्शन को रेखांकित कर उन्होंने सामाजिक जीवन मूल्यो व आदर्शो को चिर स्थायित्व प्रदान करने का जो कार्य किया वह आज भी हम सबके लिए अनुकरणीय है, प्रेरणादायक है।

एक छत के नीचे 10 सुपर–स्पेशलिस्ट डॉक्टर, सब कुछ निःशुल्क

हनुमान प्रसाद रस्तोगी गर्ल्स इंटर कॉलेज में निःशुल्क चिकित्सा शिविर में सौ से ज्यादा मरीजों को मिला उपचार

लखनऊ,संवाददाता। शहर आज एक बार फिर स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक बड़ी पहल का गवाह बन रहा है। सुभाष मार्ग स्थित हनुमान प्रसाद रस्तोगी गर्ल्स इंटर कॉलेज में रविवार निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस शिविर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें शहर के सबसे बड़े अस्पताल केजीएमयू के पल्मोनरी विभाग से लेकर आयुर्वेद, होम्योपैथ और न्यूरोथेरेपी तक के विशेषज्ञ एक ही जगह पर मरीजों को बिना किसी फीस के परामर्श दिया। आयोजकों में हरी जीवन रस्तोगी, लोकेश रस्तोगी और सचिन रस्तोगी ने बताया कि शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले शिविर में सौ से अधिक मरीज देखे गये। 13 मरीजों ने ईसीजी और 28 मरीजों की खून से संबंधित जांचें की गयीं। शिविर में हड्डी रोग के लिए प्रसिद्ध डॉ. देवर्षि रस्तोगी और स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. शशांक सिंह श्वास, दमा और टीबी के लिए केजीएमयू के रेस्पिरेटरी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यकांत और उनकी पूरी टीम मौजूद रही तो हृदय रोग के लिए डॉ. राजीव रस्तोगी, घुटना और जोड़ों के दर्द के लिए आयुर्वेद से डॉ. संजीव रस्तोगी ने मरीजों को देखा। इसके अलावा जनरल फिजीशियन, होम्योपैथ, दंत रोग, नेत्र रोग और न्यूरोथेरेपी के विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। डॉक्टर द्वारा लिखी गई एलोपैथिक दवाएं 3 दिन के लिए मुफ्त और होम्योपैथिक दवाएं 7 दिन के लिए मुफ्त दी गयीं। आयोजक हरी जीवन रस्तोगी ने बताया कि शिविर के बाद भी मरीजों को रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केन्द्र, बाजार खाला पर इलाज की सुविधा मिलती रहेगी।

राम और भरत जैसा भ्रातृत्व हो तो आ जाएगा रामराज्यः चिदम्बरानन्द

लखनऊ,संवाददाता। जानकीपुरम विस्तार में चल रही श्रीमद् बाल्मीकि रामायणम् के पांचवें दिन आज कथा व्यास स्वामी चिदम्बरानन्द सरस्वती ने राम वन गमन और भरत के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि भरत जी न सिर्फ आदर्श भाई हैं वरन् उनका राम के प्रति अनन्य भक्तिभाव भी अद्भुत है। यदि भाइयों के बीच राम और भरत जैसा भ्रातृत्व भाव उत्पन्न हो जाए तो देश और समाज में राम राज्य स्वतः आ जाएगा। बाल्मीकि और गोस्वामी की कथा समान होने के साथ ही दोनों में कतिपय अंतर भी हैं। बाल्मीकि के दशरथ इस प्रसंग से इतना व्यथित है कि वह राम से स्वयं को बंदी बनाकर राज्य कब्जे में ले लेने तक कह जाते हैं।

वाल्मीकि जयंती पर ललित कला अकादमी में लाइव चित्रकला शिविर का आयोजन

लखनऊ,संवाददाता। महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर राज्य ललित कला अकादमी के तत्वावधान में 26 एवं 27 अक्टूबर को अकादमी परिसर लाल बारादरी भवन कैसरबाग में लाइव चित्रकला शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनके महान साहित्यिक योगदान तथा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में उनके विशिष्ट स्थान को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करना है। शिविर में आमंत्रित कलाकार रचनात्मक दृष्टि और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत एवं सामाजिक मूल्यों को चित्रों में साकार करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना तथा भारतीय परम्पराओं के संरक्षण एवं संवर्धन को निरन्तर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप महर्षि वाल्मीकि जयंती जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर कला गतिविधियों का आयोजन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार, विविध सामाजिक समुदायों के बीच सहभागिता तथा महापुरुषों के विचारों को जनमानस तक पहुँचाने का सार्थक माध्यम है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा से प्रदेश की कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को व्यापक स्वरूप प्रदान करने तथा कलाकारों को सृजन के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन अमृत अभिजात के निर्देशों के क्रम में राज्य ललित कला अकादमी द्वारा कला गतिविधियों के प्रभावी आयोजन, कलाकारों की सहभागिता तथा प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शिविर के दौरान कलाकारों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चित्रों का सृजन किया जाएगा, तथा सृजन प्रक्रिया का संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सजीव प्रसारण किया जाएगा जिससे कला–प्रेमियों को चित्र निर्माण की प्रक्रिया, कलाकारों की रचनात्मक दृष्टि तथा विभिन्न कलात्मक तकनीकों को समझने का अवसर मिलेगा।

UPSIFS में सेमीनार ”टेक-संगम“ : तकनीक के विकास के साथ अपराधी भी नए रास्ते खोजते हैं : जस्टिस राजीव सिंह

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में आज तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार सकुशल संपन्न हुई। समापन सत्र के मुख्य अतिथि जस्टिस राजीव सिंह हाई कोर्ट इलाहाबाद बेंच लखनऊ थे। दीप प्रज्जवलन के बाद मुख्य अतिथि जस्टिस राजीव सिंह को संस्थापक निदेशक डॉ जीके गोस्वामी ने अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जस्टिस राजीव सिंह ने कहा कि यह संस्थान न केवल शैक्षणिक केंद्र है बल्कि बहुआयामी चिंतन और नवाचार का मंच बन चुका है। ऐसे बौद्धिक वातावरण के बीच उपस्थित होना एक विशेष अनुभव है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मंच तक पहुँचाना संस्थान की कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता का ऐतिहासिक प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की कि यहाँ के विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट कैंपस प्लेसमेंट मिल रहे हैं। वर्तमान कानूनी व तकनीकी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डब्ल्यू) एक्ट लागू होने के बावजूद बाजार में उपलब्ध वर्तमान समहंस बवउउमदजंतपमे में व्यावहारिक व सटीक व्याख्या का अभाव है। उन्होंने संस्थान के विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे संसदीय बहसों, समिति की रिपोर्टों और विशेषज्ञ विश्लेषणों को समाहित करते हुए एक उच्च–स्तरीय मानक कमेंट्री तैयार करें जो न्यायपालिका और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए मार्गदर्शक बने। उन्होंने कहा कि तकनीक के विकास के साथ अपराधी भी नए रास्ते खोजते हैं, जैसा कि हाल ही में लैब के भीतर मानव शरीर के छ्य से छेड़छाड़ के संवेदनशील मामले में देखा गया है, इसलिए हमारी सतर्कता हमेशा अपराधियों से एक कदम आगे होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को ऐसे समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया जो सुरक्षित एवं न्यायप्रिय समाज के निर्माण में सहायक हों। इस अवसर पर उन्होंने सेंटर आफ एक्सपीरियंस आईटी ओटी सिक्योरिटी एवं फॉरेंसिक का भी शुभारंभ किया था

इस अवसर पर डॉ.जीके गोस्वामी ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराध और फॉरेंसिक चुनौतियाँ तेजी से जटिल होती जा रही हैं। ऐसे समय में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं हैय बल्कि जमीनी पुलिसिंग और अदालती न्याय प्रणाली के व्यावहारिक पक्षों के साथ तकनीकी नवाचारों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्थान आज न केवल विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय कैंपस प्लेसमेंट और क्वांटम टेक्नोलॉजी व फॉरेंसिक में वैश्विक अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि पुलिस अधिकारियों को आधुनिक साइबर कानूनों और फॉरेंसिक साक्ष्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दे रहा है।

डॉ गोस्वामी ने कहा कि तकनीक का उद्देश्य आम नागरिक को सुरक्षा और न्याय की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। टेक संगम का यह समापन समारोह इस बात का प्रतीक है कि जब अकादमिक ज्ञान, अत्याधुनिक तकनीक और जमीनी कानून प्रवर्तन का समन्वय होता है, तो एक मजबूत और न्यायप्रिय समाज का निर्माण होता है। संस्थान के छात्रों की रचनात्मकता, वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन और न्यायविदों के विजन ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। उन्होंने फैकल्टी सदस्यों और प्रतिभागियों को उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. पवन शर्मा ने उद्योग की अपेक्षाओं, वैश्विक प्रोजेक्ट्स, छात्र नवाचारों और मेंटरशिप के प्रभावी उपयोग पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक भर्ती प्रक्रिया में केवल जीपीए (नहीं, बल्कि छात्र की व्यावहारिक क्षमता और संपूर्ण इकोसिस्टम की समझ मायने रखती है। प्रो0

विधायक डा. राजेश्वर सिंह ने पुस्तकालय निर्माण के लिए दिये 10 लाख

वाल्मीकि समाज के 10 मेधावी बच्चों को साइकिल व पांच को भेट किये लैपटाप

लखनऊ संवाददाता।महर्षि वाल्मीकि प्रकट्य दिवस पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह वाल्मीकि समाज के समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मेधावी बच्चों को 10 साइकिल और पांच लैपटॉप भेंट किए तथा समाज के पुस्तकालय निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। सिंह ने कहा कि पुस्तकालय में महर्षि वाल्मीकि के उपलब्ध ग्रंथ और साहित्य संकलित कर नई पीढ़ी तक उनके विचार पहुंचाए जाएंगे। महर्षि वाल्मीकि प्रकट्य दिवस के अवसर पर वाल्मीकि समाज के द्वारा आयोजित समारोह में रविवार को सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के मेधावी बच्चों को 10 साइकिल और पांच को लैपटॉप भेंट किए। साथ ही, समाज के लिए पुस्तकालय के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। डॉ. सिंह ने कहा कि वाल्मीकि समाज के बच्चों की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनकी राह आसान बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि जीवन को समझने और जीने का मार्गदर्शन है। हजारों वर्षों से करोड़ों लोगों को दिशा देने वाली रामायण हमें करुणा, कर्तव्य, मर्यादा और सदाचार का संदेश देती है। पुस्तकालय में महर्षि वाल्मीकि जी के समस्त उपलब्ध ग्रंथों और साहित्य को संकलित करने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में डॉ राजेश्वर सिंह के बड़े भाई रामेश्वर सिंह, वाल्मीकि आश्रम सेवा समिति के संरक्षक बाबूलाल महाराज, अध्यक्ष मुकेश नादान, संस्थापक व महामंत्री चन्द्र कुमार वाल्मीकि, उपाध्यक्ष माइकल वाल्मीकि संजय राज, संत किशोर, मदन लाल, भाजपा के प्रदेश मंत्री डॉ. राहुल वाल्मीकि, वाल्मीकि महासभा के उपाध्यक्ष मनोज हिंदू, समाजसेवी पवन कुमार वाल्मीकि सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर दीपों की रोशनी से नहाया गोमती तट

लखनऊ संवाददाता। शरद पूर्णिमा पर गोमती तट के मनकामेश्वर उपवन घाट, झूलेलाल वाटिका और शिव मंदिर घाट पर धार्मिक–सांस्कृतिक आयोजन हुए। मां गोमती की भव्य आरती के बाद श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद बांटा गया। झूलेलाल वाटिका में सात मंचों से महाआरती हुई और हजारों दीपों से तट जगमगा उठा। भजन, कथक प्रस्तुति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी कार्यक्रम का हिस्सा रहे।

संपादकीय

अरुणाचल पर चीन की कुदृष्टि

ब्रिक्स समेत कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लगातार मैत्री की बात करने वाले चीन द्वारा एलएसी पर तनाव पैदा करने की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। अरुणाचल बॉर्डर पर भारत व चीन के आमने–सामने होने की खबरों के सामने आने के बाद इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। दरअसल, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ समय से अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी के जवान व पीएलए के सैनिक आमने–सामने आए हैं। यह स्थिति बदली नहीं है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस व विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस वर्ष जुलाई में उत्तर–पूर्वी सीमा पर तनाव शुरू होने के उपरांत पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि हुई है। बताते हैं कि अरुणाचल प्रदेश में सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में यह तनाव बना हुआ है। वहीं सीमा पर तनाव के खुलासे और विपक्षी हमलों के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिये दोनों देश लगातार प्रयासरत हैं। दोनों पक्ष महसूस करते हैं कि भारत–चीन के बेहतर रिश्ते सीमा की शांति पर ही निर्भर करते हैं। बहरहाल, अरुणाचल को भारतीय संप्रभु हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के बावजूद उसे दक्षिण तिब्बत कहना चीन के नापाक इरादों को ही दर्शाता है। वहीं आईटीबीपी के हालिया खुलासे में इस बात का भी जिक्र हुआ कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जबकि इस दौरान ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत भी आ चुके हैं। यही वजह है कि कांग्रेस आरोप लगा रही है कि जुलाई से सीमा पर तनाव होने की खबरों को देश से छिपाया गया है। निस्संदेह, भारत व चीन के बीच साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़े विवादों को लेकर देश चिंतित रहा है। भारतीयों के दिलों में 1962 के चीनी हमले के जख्म अभी भरे नहीं हैं। 'मुंह में राम और बगल में छुरी' की चीन की नीति पर भरोसा करना संभव भी नहीं है। हाल के वर्षों में गलवान का छल देशवासियों को याद है, जब हमने अपने बीस वीर जवानों को खोया था। वहीं भारत तिब्बत सीमा पुलिस के डीजी शत्रुजीत कपूर ने वार्षिक हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि अरुणाचल सीमा पर तनाव के दौरान आईटीबीपी के कमांडो मुस्तैद रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी नई गठित शौर्य कमांडो टीमों ने इस दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में कपूर ने चीन की उन्नत सैन्य तकनीकों के मुकाबले के लिये आधुनिक हथियारों की जरूरत भी बतायी। उन्होंने स्वीकार किया कि पारंपरिक हथियारों व तरीकों से चीन का मुकाबला करना मुश्किल होगा। चीन ने बुनियादी ढांचे और हथियारों के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। आईटीबीपी के डीजी ने आधुनिक युद्धों के तौर –तरीकों में आ रहे बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि आज ड्रोन जैसी तकनीक से छोटे देश भी बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने ईरान द्वारा अमेरिका का मुकाबला करने तथा यूक्रेन द्वारा रूस को पहुंचाये जा रहे बड़े नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी के आधुनिकीकरण के लिये चार हजार करोड़ का बजट बनाया गया है।

कहां दिखेगी अब वह लपक-झपक

पता चला कि सरकार तो उन छोटे–छोटे बच्चों की चाल समझने में ही विफल हो गई, जिन्हें आजकल 'जेन–जी' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने पुलिस को चिढ़ा दिया और सरकार का मजाक बना दिया। न तो यह छड़ी घुमाकर झोले से कबूतर निकालने वाला कोई जंतर–मंतर था, न कोई जादू–टोना और न ही कोई टोटका। सच पूछो तो जी, यह जंतर–मंतर कभी वेधशाला थी, अर्थातद्द सूरज, चांद और सितारों की चाल समझने वाली जगह। लेकिन फिर यह सरकार की चाल समझने और उसका विरोध करने वाली जगह बन गई।

लेकिन जी, सरकार की चाल समझने का गुमान चाहे कितना ही पाल लो, भला सरकार की चाल कौन समझ सकता है? उलटे, सरकार ही तरह–तरह की खुफिया एजेंसियों के जरिए जनता की चाल समझने में लगी रहती है। लेकिन फिर पता चला कि सरकार तो उन छोटे–छोटे बच्चों की चाल समझने में ही विफल हो गई, जिन्हें आजकल 'जेन–जी' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने पुलिस को चिढ़ा दिया और सरकार का मजाक बना दिया। फिर एक अखबार के जरिए पता चला कि चुनाव आयोग भी कोई चाल चल रहा है। सो, लोगों ने फिर जंतर–मंतर का रुखद्द कर लिया। अब लोगों के पास जंतर–मंतर था, तो सरकार के पास भी टोटकों की कोई कमी थोड़े ही है! सो, उसने कह दिया, 'नहीं भैया, अब जंतर–मंतर बंद! चाहो तो रामलीला मैदान चले जाओ, चाहो तो बुराड़ी और चाहो तो कड़कड़डूमा भी जा सकते हो। पर जंतर–मंतर बंद!'तो जी, इस तरह अब जंतर–मंतर प्रदर्शन–स्थल नहीं रहा। अब वहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें देखने को नहीं मिलेंगी। 'अरे, पकड़ो इसको, पकड़ो! इस लड़के को पकड़ो, उस लड़की को पकड़ो! अरे, यह लड़की ही तुम्हारे काबू में नहीं आ रही! डालो इसको बस में, बस में डालो! अरे रे, देखो, वो बस का शीशा तोड़कर भाग रहे हैं! अरे, देखो, वह लड़की तो बस की चाबी ही लेकर भाग गई है! पकड़ो उसे!' अब बच्चे वहां पुलिस को चिढ़ाते हुए नहीं मिलेंगे कि, 'अंकल, आज लाठियां नहीं चलाओगे क्या? प्लीज, चला लो!' अब वे उन्हें यह कहकर नहीं चिढ़ाएंगे कि, 'घर जाकर क्या कहोगे कि बच्चों को पीटकर आ रहे हैं?' अब वहां रीलें बनती नहीं दिखेंगी। अब वहां पिटाई–कुटाई के वीडियो बनाते यूट्यूबर्स और पत्रकार नहीं मिलेंगे। अब शायद वहां भगवा गमछे वाले भी न आएं। अब पुलिसवाले प्रदर्शनकारियों को लानतें देते नहीं मिलेंगे। उन्हें खींचते, दबोचते और घसीटते नहीं मिलेंगे। अब वे वहां उनके पीछे भागते हुए भी नहीं दिखाई देंगे। अब सब रामलीला मैदान जाइए, बुराड़ी जाइए, कड़कड़डूमा जाइए। अब जंतर–मंतर का जंतर–मंतर खत्म! नहीं क्या?

स्वतंत्रता, भोजन व ईंधन से वंचित लोग उठ खड़े होते हैं विरोध में

पी. चिदम्बरम

जब लोगों को स्वतंत्रता, भोजन, ईंधन या किसी अन्य अत्यंत अनिवार्य आवश्यकता से वंचित किया जाता है, तो वे विरोध में उठ खड़े होते हैं। वर्तमान में, विशेष रूप से युवाओं द्वारा फ्रांस, अल्बानिया, बैल्जियम, ब्राजील, चिली, इटली, मोरक्को और पुर्तगाल–और भारत में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकार को दोषी ठहराया जाता है क्योंकि उसे संकट को कम करने या गलतियों को सुधारने के लिए पर्याप्त कदम उठाते हुए नहीं देखा जा रहा। यूरोप में कुछ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए हैं जो कि निंदनीय है। अमरीका में, लोग शिकायत करते हैं कि खाद्य पदार्थों की कीमतें 'अवहनीय' हैं और ईंधन की कीमतें 'असहनीय' हो गई हैं। इसके लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया जाता है। फ्रांस में, लोग स्कूलों की खराब सुविधाओं और शिक्षकों की कमी के कारण अच्छी शिक्षा से वंचित होने की शिकायत करते हैं। मैक्रों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। अल्बानिया में, शिकायत एक बहुमूल्य आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र (वैटलैंड ईकोसिस्टम) को व्यावसायिक दोहन के लिए एक अमरीकी पूंजीपति को सौंपने को लेकर है। एदी रामा को जिम्मेदार ठहराया जाता है। इनमें से प्रत्येक विरोध प्रदर्शन नागरिक की इस भावना का हिस्सा है कि 'मैं तभी स्वतंत्र हूं जब मैं भोजन जुटा सकूं अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकूं और अपने पर्यावरण की रक्षा करने में सक्षम रहूं'। यह नमक कर के खिलाफ हुए विरोध की तरह है–नमक पर कर लगाना किसी की स्वतंत्रता को पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं करता लेकिन औपनिवेशिक शक्ति द्वारा नमक कर लगाए जाने का विचार महात्मा गांधी की स्वतंत्रता की अवधारणा के बिल्कुल विपरीत और घृणित था।

मतदान का अधिकार, निर्ववाद रूप से, एक स्वतंत्र देश में किसी नागरिक का सबसे कीमती अधिकार है। मुझे विश्वास नहीं होता कि भाजपा सरकार इतनी संवेदनहीन हो सकती है कि उसने खुद को यह विश्वास दिला लिया कि मतदाता सूची से 13,30,00,000 नामों (26 राज्यों की वयस्क आबादी का 14 प्रतिशत) को हटाए जाने से विरोध का कोई बड़ा तूफान नहीं उठेगा। भारत निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) ने कहा कि नामों को एक 'प्रक्रिया' के तहत हटाया गया था। कोई भी प्रक्रिया 'उचित विधिक प्रक्रिया' नहीं होती। ई.सी.आई. ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। अब ई.सी.आई. 'छूट गए' मतदाताओं को पुनरू नामांकित करने के लिए 'विशेष शिविरों' का आयोजन कर रहा है! 'छूट गए' कहना केवल भ्रम फैलाना है–वास्तव में नामों को

गैरकानूनी तरीके से हटाया गया था।एस.आई.आर. 26 राज्यों में 3 चरणों में आयोजित किया गया था।एस.आई.आर. पर कितने करोड़ रुपए खर्च किए गए? पुनरू नामांकन पर कितने करोड़ रुपए खर्च होंगे? इस दोहरे खर्च के लिए किससे अधिभार वसूला जाएगा? संपूर्ण एस.आई.आर. प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में कई आधारों पर व्यापक रूप से चुनौती दी गई है। अदालत ने नोटिस जारी किया। अगले ही दिन, ई.सी.आई. ने अपना रुख पूरी तरह बदल दिया, शेष राज्यों के लिए एस.आई.आर. को त्याग दिया और पारंपरिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एस.एस.आर.) पर वापस लौट आया। यह वही 'स्वीकारोक्ति' है, जिसका मैंने ऊपर उल्लेख किया था। अकेले पश्चिम बंगाल में जिन लोगों के नाम हटाए गए थे, उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपील दायर करने की अनुमति दी गई थी। दायर की गई 22,00,000 अपीलों में से लगभग 1,26,000 अपीलों का 6 महीनों में निपटारा किया गया।

इनमें से 91–93 प्रतिशत अपीलों को स्वीकार कर लिया गया और उनके नामों को मतदाता सूची में शामिल करने का निर्देश दिया गया, लेकिन वे हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मतदान नहीं कर सके। अन्य स्थानों पर हटाए गए करोड़ों नामों (मृतकों को छोड़कर) के पास अपील का कोई प्रावधान नहीं है। जब तक उनके नाम फिर से नामांकित नहीं हो जाते, वे किसी भी चुनाव में मतदान नहीं कर सकते। पुनरू नामांकन पूरी तरह से ई.सी.आई. की दया पर निर्भर है। यह कोई साधारण विरोध नहीं है। यह स्वतंत्रता और मतदान के अधिकार की लड़ाई है। अगली लड़ाई भोजन की होगी। खाद्य पदार्थों की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि भोजन घरेलू बजट की पहुंच से बाहर हो गया है। हालांकि सरकार 80 करोड़ लोगों को 5 किलोग्राम मुफ्त अनाज देती है लेकिन कई करोड़ लोगों, विशेष रूप से आंतरिक प्रवासी मजदूरों, को यह मुफ्त अनाज नहीं मिल पाता। खाद्य कीमतों में वृद्धि की तुलना इस तथ्य से करें कि कुल कार्यबल के 20 प्रतिशत हिस्से वाले अनौपचारिक–दिहाड़ी मजदूरों की वास्तविक मजदूरी या तो स्थिर हो गई है या घट गई है, तो पीड़ा का दायरा स्पष्ट रूप से समझ आ जाएगा। एक और लड़ाई तैयार हो रही है, किफायती ईंधन की। पैट्रोल, डीजल, बिजली, गैस, मिट्टी का तेल, जलाऊ लकड़ी और बस, ट्रेन या हवाई यात्रा, सब कुछ महंगा हो गया है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू.पी.आई.) का पिछला आंकड़ा 11.39 प्रतिशत था, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी.पी.आई.) 5.54 प्रतिशत था और खाद्य मुद्रास्फीति 7.74 प्रतिशत थी। ऐसे कई बाहरी कारक हैं, जैसे युद्ध और टैरिफ, जिन्होंने कीमतों में वृद्धि की है। लेकिन सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। याद रखें, भाजपा ने 2009–2011 (कारण–अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संकट) और 2013–14 (कारण–टेपर टैंट्रम) में मुद्रास्फीति के लिए यू.पी.ए. सरकार को दोषी ठहराया था। दबाए गए या छीने गए अन्य अधिकारों के लिए लड़ाई जारी रहेगी। मुझे पता है कि 'तख्तापलट,सत्ता परिवर्तन' को एक नकारात्मक अर्थ दे दिया गया है। इसे 'सरकार का बदलाव' समझें। किसी सरकार को वोट देकर हटाने के लिए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के विपक्षी दलों और नागरिक समाज समूहों के अधिकार पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

जलते पैरिस से एक महत्वपूर्ण वित्तीय सबक

जैसे –जैसे छात्र विरोध प्रदर्शन पूरे फ्रांस में फैल रहे हैं, इसे एक आम लेकिन फ्रांस की विशिष्ट समस्या मानकर खारिज करना आसान है लेकिन इसके मूल में वह बात है जो दुनिया भर की सरकारों में तेजी से आम होती जा रही है– राजकोषीय फिजूलखर्ची। 2009–10 के ग्रीक संकट की पुनरावृत्ति दूर की कौड़ी लग सकती है लेकिन जैसे–जैसे अशांति फ्रांस की सीमाओं से परे फैल रही है, यह सोचने का समय आ गया है कि क्या इससे हमें कोई सबक मिल सकता है? समस्या की जड़ में फ्रांस की राजकोषीय व्यवस्था को सुधारने में असमर्थता है। देखने में तो ये विरोध प्रदर्शन भारत में शिक्षा को लेकर हुए 'कॉकरोच' आंदोलन की चिंताओं को दोहराते हैं–जर्जर कक्षाएं, खराब ढंग से संचालित सरकारी स्कूल इत्यादि। लेकिन समानता यहीं खत्म हो जाती है। भारत के विपरीत, जहां बहुपक्षीय संस्थानों के वर्षों के व्याख्यानों ने आर्थिक नीति निर्माताओं को उच्च राजकोषीय घाटे को लेकर सतर्क कर दिया था, पश्चिमी देशों के धनी देशों को ऐसी कोई चिंता नहीं थी। अंततरू, अब इसका परिणाम भुगतना ही पड़ेगा। निवेशकों ने फ्रांस को 'यूरोप का बीमार आदमी' मानना शुरू कर दिया है, जिसका ऋण–से–जी.डी.पी. अनुपात लगभग 120 प्रतिशत है (भारत के लगभग 80 प्रतिशत के विपरीत)। फ्रांस के मामले में, उसका बढ़ता घाटा और कर्ज का बोझ मुख्य रूप से तेजी से बढ़ते पैंशन बिल को नियंत्रित करने में उसकी अक्षमता का परिणाम है। पैरिस इस बात से लंबे समय से अवगत है लेकिन जब भी किसी सरकार ने व्यवस्था में सुधार करने का प्रयास किया, उसे पीछे हटना पड़ा। इसका नतीजा यह है कि उसके कई युवा धीमी आध्थक वृद्धि, दबावग्रस्त सार्वजनिक सेवाओं और पहले की तुलना में कहीं कम सहायक कल्याणकारी व्यवस्था वाले भविष्य के लिए अभिशप्त हैं। देश में व्याप्त राजनीतिक उथल–पुथल को भी इसमें जोड़ दें, जहां अगले साल राष्ट्रपति पद के लिए धुर दक्षिणपंथी और धुर वामपंथी

उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, तो फ्रांस में आने वाले महीनों में ऐसी उथल–पुथल की आशंका है, जो पूरे यूरो क्षेत्र में फैल सकती है।

फ्रांस को जिस प्रश्न का उत्तर देना होगा, और पुलिस बल का प्रदर्शन इसका उत्तर नहीं माना जा सकता, वह यह है कि क्या वह राजकोषीय संयम बरत सकता है? गौर करें–फ्रांस का बजट घाटा उसके सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के 5 प्रतिशत से अधिक है, जो पिछले वर्ष भारत के 4.4 प्रतिशत और इस वर्ष के 4.3 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है और छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त धन जुटाने की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है। बैल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन और अल्बानिया में असंतोष के संकेत उभरने के साथ ही यूरोपीय संघ को एक गंभीर परीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। यूरोपीय संघ का विकास और स्थिरता समझौता, जो राष्ट्रीय राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत तक सीमित करता है, आंशिक रूप से एक सांझा मुद्रा, यूरोए को सक्षम बनाने के लिए एकजुटता हेतु बनाया गया था। आज यह केवल कागजों पर ही मौजूद है लेकिन यूरो क्षेत्र में एक एकीकृत मौद्रिक प्राधिकरण है जिसने हाल ही में मुद्रास्फीति से निपटने के लिए अपनी नीतिगत दर में वृद्धि की है।

महंगा ऋण पूरे यूरोप को प्रभावित करता है, लेकिन फ्रांसीसी बांड अपनी बढ़ती उपज और जोखिम प्रीमियम के कारण विशेष रूप से प्रभावित करते हैं, जिससे पैरिस के लिए सार्वजनिक व्यय हेतु धन उधार लेना बेहद महंगा हो जाता है। ए.आई. के बढ़ते इस्तेमाल के बीच तेल संकट को देखते हुए, पूंजी की बढ़ती कीमत एक वैश्विक प्रवृत्ति है। अमरीका, जिसका कर्ज भी बहुत बढ़ गया है, के पास 2 प्रमुख फायदे हैं। पहला, उसकी अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत है, जिसका श्रेय काफी हद तक ए.आई. को जाता है, और फ्रांस की तरह कमजोर नहीं है। दूसरा, अमरीकी डॉलर की व्यापार और आरक्षित मुद्रा होने के कारण उसके बांडों की वैश्विक मांग बहुत अधिक है, जिससे अमरीका हर साल भारी घाटा उठा सकता है। चूंकि अन्य देशों के मामले में ऐसा नहीं है, इसलिए जितनी जल्दी वे इसे पहचान कर उसके अनुसार कार्रवाई करें, उतना ही बेहतर होगा। किसी भी स्थिति में, अमरीकी ब्याज दरें भी बढ़ रही हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि यह सिर्फ युद्ध के कारण आई अस्थिरता है या नहीं, क्योंकि डाटा केंद्रों से परे ए.आई. निवेश चक्र ब्याज दरों को 'लंबे समय तक उच्च' रख सकता है (यदि कुल बचत इसके साथ तालमेल नहीं बिठा पाती)।

डिजिटल बाजार का नया उत्पाद 'ताई-चाई' चाल

डिजिटल होती जा रही अर्थव्यवस्था में किसी साधारण सलाह की मुश्किल यह है कि उसे बेचना मुश्किल है। 'रोजाना कुछ देर पैदल चलिए' के आह्वान में कोई सब्सक्रिप्शन नहीं है। ऐप नहीं हैं। इन्फ्लुएंसर नहीं हैं। पेड प्रोग्राम और प्रमोशन नहीं हैं। और एक दिन में खुद को बदल डालने की सलाह देने वाले चौलेंज नहीं हैं। लेकिन इसी क्रिया को कोई आकर्षक नाम मिल जाए तो उसके प्रति दीवानगी पैदा की जा सकती है। मनुष्य हजारों वर्षों से पैदल चलता आया है। तीर्थयात्री चले, किसान चले, बौद्ध भिक्षु चले, गांधी और आंदोलनकारी चले। सुबह–सबेरे हमारे माता–पिता, चाचा–ताऊ, सबने पैदल चलकर अनंत दूरियां नापी हैं। हर सभ्यता ने पैदल चलने में शरीर के साथ मन को भी गति दी है। लेकिन इधर सोशल मीडिया यानी डिजिटल संसार में एक नई चाल सरपट दौड़ रही है। इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर अचानक 'ताई–चाई वॉकिंग' का ट्रेंड जंगल में आग की तरह फैल गया है।

डिजिटल स्क्रीनों पर कहीं धीमे कदम बढ़ाते बुजुर्ग दिखते हैं, तो कहीं आकर्षक देहयष्टि वाले ट्रेनर। कुछेक जगहों पर इसके विज्ञापनों में इन्फ्लुएंसर इस चाल को वजन घटाने, पेट की चर्बी कम करने और बढ़ती उम्र को मात देने वाला करिश्माई तरीका बताकर बेच रहे हैं। हमारे देश में भी खासकर प्रौढ़ और साठ पार की उम्र वाले लोगों के बीच इस चाल को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है। हाल में, सेहत के अंतरराष्ट्रीय जर्नल हार्वर्ड हेल्थ ने 'ताई–चाई वॉकिंगरू व्हाट इज इट एंड डज इट वर्क' शीर्षक से इस पर विस्तृत लेख छापकर और सनसनी फैला दी है। सवाल दिलचस्प है कि क्या दुनिया ने पैदल चलने का हकीकत में कोई नया तरीका खोज निकाला है या फिर सदियों पुरानी आदत पर सोशल मीडिया–प्रेरित बाजार ने एक नया लेबल चिपका दिया है।

यूं ताई–चाई वॉकिंग का अपना एक इतिहास और प्रतिष्ठा है। यह चीन की सदियों पुरानी मार्शल आर्ट और माइंड–बॉडी की परंपरा में आने वाली एक शारीरिक गतिविधि है। इसमें शरीर की धीमी, नियंत्रित गति, संतुलन, श्वास और सजगता का महत्त्व है। हार्वर्ड हेल्थ के मुताबिक, ताई–चाई वॉकिंग मूलतः पैदल चाल (फुट वॉक) को उसके सरलतम रूप में अपनाती है। सामान्य पैदल चाल में शरीर का मोमेंटम (गति) हमें आगे बढ़ाता है, जबकि ताई–चाई वॉकिंग में कदम जानबूझकर धीमे किए जाते हैं। पहले पैर आगे बढ़ाया जाता है, फिर शरीर का भार आहिस्ता से उस पैर पर स्थानांतरित किया जाता है। इसके बाद दूसरा पैर आगे बढ़ाते हुए यही प्रक्रिया दोहराई जाती है। इससे व्यक्ति अपने गुरुत्वीय केंद्र (सेंटर ऑफ ग्रैविटी), जमीन से पैरों के स्पर्श और शरीर के संतुलन के प्रति अधिक सजग होता है। अर्थात् यह केवल 'धीरे चलना' नहीं है, बल्कि इसके बायोमैकेनिक्स वास्तव में सामान्य पैदल चाल से कुछ अलग हैं।

अध्ययनों में ताई–चाई वॉकिंग के दौरान सामान्य चाल की तुलना में घुटने और कूल्हे की गति, मांसपेशियों के संचालन और वजन के स्थानांतरण के अलग–अलग स्तर पाए गए हैं। पाया गया कि ताई–चाई वॉकिंग के दौरान व्यक्ति धीमी गति से पैदल चलता है और शरीर के भार को अधिक नियंत्रित तरीके से स्थानांतरित करता है। इसलिए इसे विशुद्ध 'मार्केटिंग फ्रॉड' कहना उतना ही गलत होगा, जितना इसे चमत्कारी व्यायाम मान लेना। ताई–चाई वॉकिंग के फायदों को लेकर साल 2024 में 18 क्लिनिकल ट्रायल्स का विवरण मिलता है, जिनमें 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के शारीरिक संतुलन और सेहत में कुल मिलाकर सुधार अंकित किया गया था। इसी तरह के एक अन्य मेटा–विश्लेषण में 2,000 लोगों पर किए गए 28 परीक्षणों में पैदल चलने पर बेहतर संतुलन की बात सामने आई थी। लेकिन यहां एक अंतर है, जिसे सोशल मीडिया अक्सर गायब कर देता है। ताई–चाई पर उपलब्ध प्रमाण और सोशल मीडिया पर वायरल 'ताई–चाई वॉकिंग' कार्यक्रमों के प्रमाण एक ही चीज नहीं हैं। इस बारे में हार्वर्ड हेल्थ ने भी चेतावनी दी है कि ताई–चाई वॉकिंग को बहुत तेजी से वजन घटाने या असाधारण मांसपेशियां बनाने के ऑनलाइन दावे भ्रम फैला सकते हैं। असल में, सामान्य पैदल चाल से ताई–चाई की तुलना कुछ दिलचस्प तस्वीरें पेश करती है। एक अध्ययन में 374 प्रौढ़ चीनी लोगों पर किए गए यादृच्छिक (रैंडम) ट्रायल में प्रतिभागियों के दो समूहों ने 12 हफ्ते तक प्रति सप्ताह पांच दिन, प्रतिदिन 45 मिनट अलग–अलग ताई–चाई और पैदल चाल का अभ्यास किया। ताई–चाई समूह का वजन करीब 0.50 किलोग्राम और सामान्य पैदल चाल वाले समूह का वजन 0.76 किलोग्राम कम हुआ। दोनों समूहों के लोगों की कमर के नाप और फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर में सुधार हुआ। नतीजा यह निकला कि साधारण वॉकिंग किसी भी मामले में ताई–चाई वॉकिंग के सामने कमजोर, पुरानी या बेअसर साबित नहीं हुई।

यही नहीं, इस शोध से जुड़े ऊर्जा–खपत के अध्ययन में अपनी क्षमताओं को समझते हुए की गई पैदल चाल की ऊर्जा लागत ताई–चाई के मुकाबले 46 प्रतिशत ज्यादा थी। इसलिए यदि कैलोरी खर्च को या कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम को मानक माना जाए, तो यह मानने का कोई आधार नहीं है कि धीमी गति से की जाने वाली ताई–चाई वॉकिंग, व्यक्ति की क्षमता के हिसाब से ढाली गई तेज चाल से किसी मायने में श्रेष्ठ है। यह विमर्श भारतीय संदर्भों में और भी रोचक हो जाता है। हमारे यहां रात्रि के भोजन के बाद टहलने की परंपरा बहुत पुरानी है। महाराष्ट्र में प्रचलित 'शतपावली' का शाब्दिक अर्थ ही हैकृ भोजन के बाद सौ कदम चलना। इसके अतिरिक्त भारतीय जीवन–पद्धति में सुबह की सैर, संध्या भ्रमण और भोजनोपरांत धीमे–धीमे टहलना किसी फिटनेस ऐप का आविष्कार नहीं हैं। आधुनिक विज्ञान भी भोजन के बाद पैदल चलने के मूल विचार का समर्थन करता है। भोजन के बाद पैदल चलने को विज्ञान ने एक शारीरिक गतिविधि के रूप में दर्ज करते हुए पाया है कि इससे पोस्ट–मील ग्लूकोज को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

दरअसल, ताई–चाई एक बॉडी मैकेनिक्स है और इसमें नियंत्रित तरीके से वजन को काबू में रखने की कोशिश की जाती है, जबकि शतपावली मुख्यतः भोजन के बाद हल्की चहलकदमी की सांस्कृतिक परंपरा है। लेकिन दोनों ही हमें एक बड़े सत्य तक पहुंचाते हैंकृमनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए पैदल चलना चाहिए, हर बार नया ब्रांड खरीदना जरूरी नहीं है।

यहां सवाल है कि तब आखिर दुनिया को ताई–चाई वॉकिंग की जरूरत क्यों आन पड़ी है? यह सवाल सेहत के बाजार से जुड़ा है। असल में, डिजिटल होती जा रही अर्थव्यवस्था में किसी साधारण सलाह की मुश्किल यह है कि उसे बेचना मुश्किल है। 'रोजाना कुछ देर पैदल चलिए' के आह्वान में कोई सब्सक्रिप्शन नहीं है। ऐप नहीं हैं। इन्फ्लुएंसर नहीं हैं। पेड प्रोग्राम और प्रमोशन नहीं हैं। और एक दिन में खुद को बदल डालने की सलाह देने वाले चौलेंज नहीं हैं। लेकिन इसी क्रिया को कोई आकर्षक नाम मिल जाए, उसे किसी प्राचीन सभ्यता के रहस्य से जोड़ दिया जाए, कुछ वैज्ञानिक शब्द, जैसे कि मेटाबॉलिज्म, बैलेंस, लॉन्जिविटी, पिरो दिए जाएं और उसे '21 दिन के प्रोग्राम' में बदल दिया जाए, तो दुनिया में उसके प्रति दीवानगी पैदा की जा सकती है। ऐसी स्थिति में एक साधारण पैदल चाल बाजार में आसानी से बिकने वाला वेलनेस उत्पाद बन जाती है। दुनिया ने ऐसी कवायदों का नोटिस भी किया है। इसी साल (2026 में) द मिलबैंक क्वार्टरली में प्रकाशित वेलनेस इंडस्ट्री की पॉलिटिकल इकॉनमी से संबंधित अध्ययन ने इसी बड़े परिदृश्य की ओर संकेत किया है। इसके अनुसार, वेलनेस मार्केट में सोशल मीडिया एल्गोरिद्म, एस्पिरेशनल मार्केटिंग और स्वास्थ्य को लगातार दुहते रहने की इच्छा ऐसे उत्पादों और विचारों के प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैज्ञानिक शब्दावली भी कभी–कभी उत्पाद को जरूरत से ज्यादा वैज्ञानिक विश्वसनीयता देने का जरिया बन जाती है। इसलिए ताई–चाई वॉकिंग के पीछे किसी देश, संस्था या रहस्यमय समूह की संगठित वैश्विक योजना तलाशना उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर उचित नहीं है। इसकी सरल व्याख्या में जो गठजोड़ शामिल है, उसमें अटेंशन इकॉनमी, वेलनेस और सोशल मीडिया एल्गोरिद्म एक साथ दिखाई पड़ते हैं। तीनों एक जगह मिलकर पहले से परिचित हर चीज को 'नया' बनाते और बेचते रहते हैं। और आज का सच यह है कि नया शब्द बाजार में पुराने सत्य से ज्यादा तेजी से बिकता है।

हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया रावण वध मेला

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा (इटावा)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयदशमी के उपलक्ष में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रावण वध मेले का आयोजन बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। रविवार को सुबह से ही रामलीला मैदान में रावण का 40 फीट ऊंचा प्रतीकात्मक पुतला बीचों–बीच स्थापित किया गया। शाम 3रू00 बजे के बाद रामा दल व रावण सेना के मध्य युद्ध शुरू हुआ। मेला में एकत्रित भीड़ की निगाहें धनुष से निकलते तीर तलवार व गदा पर थी। शाम 5रू00 बजे तक दोनों सेनाओ में भयंकर युद्ध चलता रहा। रावण वध करने में प्रभु श्री राम सफल नहीं हो रहे थे। इसी बीच दशानन के भाई विभीषण ने बताया कि इसकी नाभी में अमृत है जब तक इसे नहीं सुखाओगे तो अंत नहीं होगा। यह कहना ही था कि प्रभु श्री राम ने एक साथ 31 बाड़ छोड़ें जो सबसे पहले नाभि में लगा तत्पश्चात 10 सिर व 20 भुजाएं कट कर गिर गई पूरे मैदान जयघोष से गूंजने लगा। रामा दल में विजय का उत्साह मनाया गया।

प्रभु श्री राम ने बालि के पुत्र युवराज अंगद को लंका का संदेश देकर भेजा कि दशानन तुम्हारे पिता के मित्र हैं उन्हें जाकर समझाओ कि युद्ध की स्थिति पैदा ना हो हजारों निर्दोष लंकावासियों का रक्त बहेगा। अधर्म का रास्ता ना अपनाये। शनिवार की रात अंगद रावण संवाद लक्ष्मण शक्ति मेघनाथ वध तक की लीला का मंचन हुआ शुभारंभ पर वहां उपस्थित धर्म प्रेमी जनता ने प्रभु राम के दरबार की आरती उतार कर रामलीला प्रेमियों से श्री राम के आदर्शों पर चलने का आग्रह किया।

वही महेवा की रामलीला के अंतिम दिवस पर रावण बध की लीला के बाद थाना प्रभारी बकेवर विपिन मलिक ने लंगूर में आग लगाकर रावण के पुतले को जलाया वही इस मौके पर ,चौकी प्रभारी महेवा रजनीश तिवारी , साईंजक विजय तिवारी ,समाजसेवी एवं सभासद राजू दुबे ,विधायक प्रतिनिधि जीतू ठाकुर ,पंकज भदौरिया ,अमित भदौरिया ,शिक्षक शिव शंकर यादव ,प्रशांत सविता , बसंत सिंह चौहान ,जोली मिश्रा आदि मौजूद रहीं।

भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल : रणवीर यादव

युवजन सभा की बैठक में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर सरकार को घेरा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। समाजवादी युवजन सभा के कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को दीवानी कचहरी रोड स्थित सपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष रणवीर यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की गई।

रणवीर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई और बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में विफल रही है। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और किसान खाद, बीज तथा बिजली की समस्याओं से जूझ रहे हैं।

उन्होंने प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में अन्याय और अत्याचार बढ़े हैं तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब हुई है। यादव ने दावा किया कि पीडीए के लोग 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाकर अन्यायपूर्ण शासन का अंत करेंगे। बैठक में शिवनाथ, नितेश, सूरज कुशवाहा, राहुल कन्नौजिया, सन्नी प्रभात, पवन मिश्रा, इमरान लारी, अभयशंकर, मनीष सैथवार, शाकिर अली, रामबृक्ष राजभर, देवेश, अनिल, मंटू, आजाद अंसारी, हरेंद्र, कृष्णानंद, वसिष्ठ और जयराम सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

28 से 30 अक्टूबर के बीच बलिया में तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। जिले में 27 अक्टूबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। इसके बाद 28 से 30 अक्टूबर के बीच मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, इस दौरान आसमान में बादल छाने के साथ गरज–चमक और बारिश की संभावना है।

28 अक्टूबर को वज्रपात के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। वहीं, 29 अक्टूबर को भारी बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। 30 अक्टूबर को भी गरज–चमक के साथ बारिश की आशंका है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 25 से 27 अक्टूबर तक जिले में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। 28 अक्टूबर से बादलों की सक्रियता बढ़ने और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है।

28 से 30 अक्टूबर के बीच संभावित बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। खेतों में कटाई के लिए तैयार धान तथा खुले स्थानों पर रखी उपज को सुरक्षित रखने की व्यवस्था करना उपयोगी होगा।

बारिश के दौरान बिजली चमकने पर खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचना चाहिए। तेज हवा और गरज–चमक के दौरान लोगों को मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है। मिड्ढी मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी सुरेश सिंह के मुताबिक 29 अक्टूबर को भारी बारिश की संभावना बन रही है। मौसम के पूर्वानुमान में बदलाव संभव है, इसलिए लोगों को विभाग की ताजा चेतावनियों पर नजर रखनी चाहिए।

शरद–पूर्णिमा पर आर्य समाज में बताया रोग मुक्ति का उपाय

बस्ती,संवाददाता। आर्य समाज नई बाजार में शरद पूर्णिमा पर वैदिक यज्ञ और सत्संग हुआ। इसमें खीर चांदनी के संयोग से रोग मुक्ति के उपाय बताए गए। लोगों ने लोक–कल्याण, सुख और आरोग्य के लिए आहुतियां दीं। योग शिक्षिका नीलम मिश्रा मुख्य यजमान थीं। आर्य समाज के प्रधान ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि शरद पूर्णिमा वर्षा ऋतु की समाप्ति और शरद ऋतु के आने का संधि काल है। योगाचार्य गरुण ध्वज पाण्डेय ने बताया कि चंद्रमा पृथ्वी के सबसे पास होता है। इसकी किरणें शरीर के तापमान व पित्त को शांत करती हैं। वेदों में चंद्रमा को औषधीश कहा गया है। दूध, चावल और मिश्री से बनी खीर को खुले आसमान के नीचे रखने से वह चंद्र किरणों के असर से पाचक औषधि बन जाती है। चांदनी मानसिक तनाव कम कर मन को शुद्ध करती है।

इटावा के ग्रामीण अंचलों में आज भी जीवंत है टेसू झेजी की संस्कृति

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा (इटावा)। विकासखंड महेवा क्षेत्र के कस्बा एवं ग्रामीण अंचलों में भारतीय लोक संस्कृति में टेसू झेजी की परंपरा का विशेष महत्व है। शारदीय नवरात्र से शरद पूर्णिमा तक ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे टेसू और झेजी सजाकर घर–घर जाते हैं इस दौरान बच्चे पारंपरिक लोकगीत गाते हुए लोगों से अनाज और पैसे मांगते हैं। यह परंपरा लोक आस्था सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानी जाती है।

मान्यताओं के अनुसार टेसू की कथा महाभारत काल के वीर बर्बरीक से जोड़कर भी सुनाई जाती है बर्बरीक को घटोत्कच का पुत्र और भीम का पोत्र माना जाता है। हालांकि टेसू से जुड़ी लोक कथाओं के अलग–अलग क्षेत्रीय रूप प्रचलित हैं। वही झेजी मिट्टी की छिद्रयुक्त मटकी होती है। जिसमें दीपक जलाकर उसे फूलों और पत्तियों से सजाया जाता है टेसू को बास की खपंछियों से तैयार कर रंग–बिरंगे कपड़ों और फूलों से आकर्षक रूप दिया जाता है। परंपरा के अनुसार नवरात्र से शुरू होकर शरद पूर्णिमा तक बच्चे टेसू झेजी लेकर घर–घर पहुंचते हैं। कुछ क्षेत्रों में शरद पूर्णिमा की रात टेसु झेजी का विवाह करने और उसके बाद विसर्जन करने की परंपरा भी प्रचलित है। हालांकि रीति रिवाज अलग–अलग क्षेत्र में भिन्न हो सकते हैं ।आधुनिकता के दौर में भी ग्रामीण क्षेत्रों में यह परंपरा बच्चों को लोकगीतों और पारंपरिक रीति रिवाज से जोड़ने का माध्यम बनी हुई है। ग्राम पंचायत उझिया नी निवासी बुजुर्ग एवं समाजसेवी प्रवक्ता आदित्य नारायण अग्निहोत्री व महेवा निवासी पंडित रामकुमार तिवारी का मानना है कि ऐसी परंपराओं को सहेज कर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है ताकि भारतीय लोक संस्कृति की पहचान बनी रहे।

1200 मतदाताओं के मानक पर मतदेय स्थलों के संभाजन का प्रस्ताव तैयार

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम मधुसूदन हुल्गी ने की बैठक

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर मतदेय स्थलों के संभाजन की अंतिम सूची के प्रस्ताव को लेकर रविवार को कलेक्ट्रेट में बैठक हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों और प्रतिनिधियों को प्रस्ताव की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रस्तावित संभाजन पर चर्चा की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जाम की समस्या दूर करने के लिए कल होगी बोर्ड बैठक

नोएडा,संवाददाता। नोएडा के इंडस्ट्रियल सेक्टरों में जाम की समस्या दूर करने के लिए सिटी लॉजिस्टिक प्लान–2026 लागू करने की तैयारी है। इसका मसौदा तैयार हो गया है। 27 अक्टूबर को होने वाली नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में इसे मंजूरी के लिए रखा जाएगा। योजना के तहत इंडस्ट्रियल सेक्टरों में ट्रकों की पार्किंग के लिए जगह छोड़नी होगी। योजना में शहर के 12 ऐसे स्थानों को भी शामिल किया गया है, जहां भारी वाहनों के कारण यातायात प्रभावित होता है। इनमें एक्सप्रेसवे और दिल्ली को नोएडा समेत दूसरे शहरों से जोड़ने वाली सड़कें शामिल हैं। योजना लागू होने से भारी वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित होगी और जाम की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। बोर्ड बैठक में मॉडल भवन विनियम–2020 को मंजूरी देने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा।

इसके तहत छोटे आवासीय और वाणिज्यिक भूखंडों के नक्शे पास कराने की प्रक्रिया आसान की जाएगी। 500 वर्गमीटर तक के आवासीय और 200 वर्गमीटर तक के वाणिज्यिक भूखंडों के नक्शे पास कराने में सुविधा मिलेगी। इसके अलावा इमारतों की ऊंचाई से जुड़े नियमों में बदलाव का भी प्रस्ताव है। स्पोर्ट्स सिटी से जुड़े सेक्टर–150, सेक्टर–152 और सेक्टर–78–79 के लेआउट में बदलाव के प्रस्ताव भी बोर्ड बैठक में रखे जा सकते हैं। इन प्रस्तावों पर 250 से अधिक आपत्तियां मिली हैं। प्राधिकरण इन पर सुनवाई कर चुका है, लेकिन आपत्तियों का निस्तारण अभी बाकी है। बैठक से पहले जिन भूखंडों से जुड़ी आपत्तियां दूर हो जाएंगी, उन्हीं के प्रस्ताव मंजूरी के लिए रखे जाएंगे।

सम्राट विक्रमादित्य के विजय दिवस पर सलेमपुर में सहभोज आज

युवा रौनियार समिति ने पत्रकारों को किया आमंत्रित

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। युवा रौनियार समिति की ओर से चक्रवर्ती सम्राट महाराजा हेमचंद्र विक्रमादित्य के विजय दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार, 26 अक्टूबर को सहभोज का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम पांच बजे से हरैया स्थित क्रिस्टल मैरेज लॉन में होगा। यह स्थल निबंधन कार्यालय के निकट है।

समिति ने कार्यक्रम में समाज के लोगों से शामिल होने की अपील की है। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनिल कुमार रौनियार, डॉ. एलके गुप्ता (रौनियार) और आनंद गुप्ता रौनियार को आमंत्रित किया गया है। युवा रौनियार समिति ने पत्रकारों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया है।

पानी की टंकी निर्माण के दौरान, हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया युवक

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन कोतवाली क्षेत्र के शेरपुरा में रविवार सुबह 9 बजे नमामि गंगे योजना के तहत पानी की टंकी के निर्माण कार्य के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से 28 साल के मजदूर की मौत हो गई। मजदूर लोहे का सरिया काट रहा था, तभी सरिया 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन से टकरा गया। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा–तफरी मच गई। साथी मजदूर आनन–फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, औरैया जिले के मालासी गांव के रहने वाले राम प्रकाश का 28 साल का बेटा अजय कुमार शेरपुरा में नमामि गंगे योजना के अंतर्गत पानी की टंकी के निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था।

रविवार सुबह करीब 9 बजे अजय सहित चार मजदूर निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अजय लोहे का सरिया काट रहा था। बताया जा रहा है कि सरिया काटते समय वह ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। करंट लगने से अजय गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी हालत बिगड़ गई। हादसा होते ही वहां काम कर रहे अन्य मजदूरों में हड़कंप मच गया। साथी मजदूर उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में शोक छा गया। पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

निर्माण स्थल पर हाईटेंशन लाइन के नजदीक काम करते समय हुए इस हादसे ने कार्यस्थल पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

पेड़ा वाले बाबा ने फेसबुक लाइव में जहर खाया, हालत गंभीर

बस्ती,संवाददाता। जिले में पेड़ा वाले बाबा के नाम से मशहूर गोविंद दास ने रविवार सुबह करीब 9 बजे फेसबुक लाइव के दौरान जहर खा लिया। उनकी हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहर खाने के बाद उनके मुंह से खून निकलने की बात सामने आई है। गोविंद दास उर्फ पेड़ा वाले बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा बस्ती में कराना चाहते थे। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए वह पैदल यात्रा भी कर चुके थे। पिछले कुछ दिनों से वह कथा आयोजन के लिए भिक्षा मांगकर सहयोग जुटा रहे थे।

रविवार सुबह फेसबुक लाइव के दौरान जहर खाने की घटना से जिले में चर्चा शुरू हो गई।

फेसबुक लाइव के दौरान बाबा ने पहल संस्था के संस्थापक मनीष मिश्रा का नाम भी लिया। उन्होंने अपनी मां से जुड़ी बात कहते हुए मनीष मिश्रा का जिक्र किया और उनसे अपने संकल्प को पूरा कराने की अपील की। बाबा ने कहा कि उनके नहीं रहने के बाद उनके संकल्प को पूरा कर दिया जाए। बता दें कि मनीष मिश्रा की ओर से भी बस्ती में धीरेंद्र शास्त्री को बुलाने की बात कही गई थी। ऐसे में बाबा के फेसबुक लाइव में उनका नाम लेकर संकल्प पूरा कराने की अपील करने का मामला चर्चा में है। घटना के बाद बाबा को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, कैली मेडिकल कॉलेज में उनका इलाज चल रहा है।

दीवार तोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में शनिवार को मकान की दीवार तोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। घटना का वीडियो रविवार दोपहर करीब 1 बजे सामने आया। दोनों पक्षों ने

एक–दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर एनसीआर दर्ज कर घायलों को जिला अस्पताल भेजा है, जबकि दूसरे पक्ष की शिकायत की जांच की जा रही है। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। ग्राम लौना निवासी अमर सिंह पुत्र श्यामचरण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार रात उनका बेटा भरत घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान परिवार के ही सुरेश, चंद्रशेखर और रमेश पुत्र मुलू वहां पहुंचे। आरोप है कि मकान की दीवार तोड़ने को लेकर तीनों गाली–गलौज करने लगे। भरत ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। बेटे को बचाने पहुंचे अमर सिंह को भी पीटा गया, जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। वहीं, दूसरे पक्ष ने भी मकान निर्माण में अवरोध करने का आरोप लगाते हुए मारपीट की शिकायत की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर बाबू ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से लिखित शिकायतें मिली हैं। एक पक्ष की शिकायत पर एनसीआर दर्ज की गई है, जबकि दूसरे पक्ष की शिकायत की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरों से भरा ऑटो पलटा, तीन गंभीर घायल

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन–बंगरा मार्ग पर रविवार दोपहर हुए हादसे में बच्चों और महिलाओं समेत करीब 10 लोग बाल–बाल बचे। ऑटो पलटने से तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। हादसे में घायल एक नाबालिग मजदूर की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया। घायल मजदूर ने हादसे की वजह सामने से आ रहे ई–रिक्शा चालक के अचानक कट मारने को बताया। जानकारी के मुताबिक, हलवाई का काम करने वाले मजदूर रविवार दोपहर करीब 12 बजे उरई से ऑटो में सवार होकर सिरसाकलार की ओर जा रहे थे। ऑटो में बच्चों और महिलाओं समेत करीब 10 लोग सवार थे। जालौन कोतवाली क्षेत्र मेंजालौन–बंगरा मार्ग पर सामने से आ रहे ई–रिक्शा चालक ने अचानक कट मार दिया। इससे ऑटो चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ऑटो सड़क पर पलट गया। हादसे में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज शुरू हुआ। एक नाबालिग मजदूर की हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल उरई रेफर किया गया। घायल ऑटो सवार मजदूर अब्दुल नाजिर ने बताया कि सामने से आ रहे ई–रिक्शा चालक के अचानक कट मारने से ऑटो पलट गया।

बाइक सवार दंपती नीलगाय की टक्कर से घायल

बस्ती,संवाददाता। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के भिटिया–हरदिया मार्ग पर रविवार शाम एक नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिनवा गांव निवासी 30 वर्षीय मुकेश अपनी 28 वर्षीय पत्नी अंजनी के साथ रविवार शाम बाइक से बस्ती से अपने घर लौट रहे थे। उनकी बाइक जैसे ही वाल्टरगंज थाने के पास पहुंची, सड़क किनारे की झाड़ियों से अचानक एक नीलगाय निकलकर सीधे उनकी बाइक के सामने आ गई। इस अचानक हुई टक्कर से बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़ी। इससे दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही थाने के हेड कांस्टेबल जय सिंह चौरसिया और सतीश पटेल मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। उन्होंने घटना की जानकारी उनके परिजनों को भी दी।

नहाते समय पैर फिसलने से तालाब में डूब कर महिला की मौत

बांदा,संवाददाता। जिले के बिसंडा थाना क्षेत्र के इतर मिलौली गांव में रविवार सुबह एक महिला की तालाब में डूबने से मौत हो गई। 42 वर्षीय सुधा सिंह नहाने के लिए घर से करीब 200 मीटर दूर तालाब पर गई थीं। परिजनों के अनुसार, सुबह करीब छह बजे नहाते समय उनका पैर फिसल गया। इससे वह सीढ़ियों से गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं।

लव कौर संग बढ़ती नजदीकियों को देख भड़की स्काउटओपी की गर्लफ्रेंड, बोलीं– मुझे घिन आ रही है

गेमिंग क्रिएटर काशवी हीरानंदानी ने अपने बॉयफ्रेंड स्काउटओपी से, बिग बॉस 20 की कंटेस्टेंट लवप्रीत लव कौर गिल के साथ उनकी नजदीकियों को लेकर सवाल–जवाब किए हैं। आने वाले वीकेंड का वार एपिसोड के एक प्रोमो में, काशवी को स्काउट से लव के साथ एक दायरा तय करने के लिए कहते हुए देखा गया। उन्होंने स्काउट से कहा कि वह लव को अपनी जिंदगी से पूरी तरह निकाल दें।

प्रोमो की शुरुआत में शो के होस्ट रोहित शेट्टी बताते हैं कि स्काउट से मिलने कोई आया है। इसके बाद काशवी, लव के साथ स्काउट के बर्ताव पर सवाल उठाती हैं और पूछती हैं, तन्मय, ये मसाज पार्लर कैसा चल रहा है ? काशवी फिर लव की तरफ मुड़ती हैं और पूछती हैं कि क्या वह अपने भाइयों के साथ भी ऐसा ही बर्ताव करती हैं। वह पूछती हैं, क्या तुम अपने भाइयों के साथ भी ऐसा ही बर्ताव करती हो ?

लव अपना बचाव करते हुए कहती हैं, मुझे यह नॉर्मल लगा क्योंकि मुझे दर्द हो रहा था। इसके बाद काशवी, स्काउट द्वारा पहले की गई एक तुलना का जिक्र करती हैं, जिसमें उन्होंने काशवी और लव की तुलना की थी। इस पर सवाल उठाते हुए काशवी पूछती हैं, तुम्हें कैसे लगा कि तुम मेरी तुलना उससे कर सकते हो? इस पर स्काउट समझाते हैं कि उनका मतलब उस तरीके से था, जिस तरह से लव उनकी देखभाल कर रही थीं। तुलना इस बात को लेकर थी कि वह मेरा ख्याल कैसे रख रही थी, वह जवाब देता है। हालांकि, काशवी को उसके इस स्पष्टीकरण पर यकीन नहीं होता। वह उससे कहती है कि अगर उसे घर जैसा महसूस करना था, तो उसे वहीं रहना चाहिए था और आगे कहती है मुझे इससे घिन आती है। फिर वह स्काउट से कहती है कि वह लव के साथ एक स्पष्ट सीमा बनाए रखे और उसे चेतावनी देती है, ‘अगर तुममें जरा भी आत्म–सम्मान है, तो एक सीमा तय करो और उससे दूरी बना लो।यह तीखी बहस तब हुई जब शनिवार के ‘वीकेंड का वार’ एपिसोड में रोहित शेट्टी ने स्काउट और लव के बर्ताव पर सवाल उठाए। रोहित ने लव से स्काउट के साथ उसके रिश्ते के बारे में पूछा, जिस पर उसने जवाब दिया कि वह उसे अपना भाई मानती है। इसके बाद रोहित ने कुछ ऐसे उदाहरण दिए जहां स्काउट ने लव के पैर, हाथ और गर्दन की मालिश की थी। उनके बर्ताव पर सवाल उठाते हुए, रोहित ने लव से कहा, लव, जब वह तुम्हारे पैर, हाथ और गर्दन की मालिश कर रहा होता है, तो यह बिल्कुल ठीक नहीं लगता। तुम स्काउट से पीछे से मालिश करने के लिए कहती हो, और वह तुम्हारी पिंडलियों की मालिश करता है। यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा है। स्काउट ने अपना बचाव करते हुए कहा कि वह अभिनेत्री माही विज की भी मालिश करता है, जब वह उससे ऐसा करने के लिए कहती हैं। हालांकि, रोहित ने उसे चेतावनी दी कि लव के साथ उसकी नजदीकियां स्क्रीन पर एक नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं।

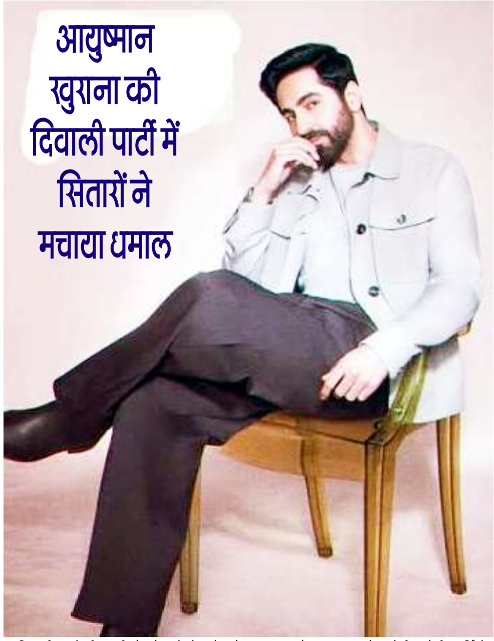

दिवाली आने ही वाली है और पूरे देश में त्योहार का माहौल छा गया है। छोटी–छोटी पार्टियों से लेकर बड़ी और शानदार पार्टियों तक, लोग त्योहार के जश्न में डूबे हुए हैं, और बॉलीवुड सेलेब्रिटीज भी इससे पीछे नहीं हैं। हाल ही में, अभिनेता आयुष्मान खुराना और ताहिरा कश्यप ने मुंबई स्थित अपने घर पर फिल्म इंडस्ट्री के अपने दोस्तों और साथियों के लिए एक शानदार दिवाली पार्टी रखी। यह जोड़ा हर साल फिल्म इंडस्ट्री के दोस्तों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा निभाता है, और इस बार भी उन्होंने बॉलीवुड की कई जानी–मानी हस्तियों का स्वागत किया। पार्टी में करण जौहर, भूषण कुमार, गुनीत मोंगा, अपूर्व मेहता, अमर कौशिक, सारा अली खान, आकाश कौशिक, अर्जुन कपूर, अपारशक्ति और उनकी पत्नी आकृति, भूमि पेडनेकर, राजकुमार राव, रकुल प्रीत और जैकी भगनानी, ट्विंकल खन्ना, श्रेया चौधरी, मनीष मल्होत्रा, सान्या मल्होत्रा, राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी समेत कई अन्य लोग शामिल हुए। ताहिरा ने दिवाली पार्टी की कुछ मजेदार झलकियां दिखाते हुए एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें सेलेब्रिटीज नाचते, तस्वीरें खिंचवाते और एक–दूसरे के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। प्यार और रोशनी बनी रहे। आयुष्मान और मेरे लिए दिवाली का जश्न हमेशा हमारे परिवार और दोस्तों के साथ ही होता है! मुंबई अब हमारा घर बन गया है, इसलिए यहां हमारे दोस्त ही हमारे परिवार का हिस्सा हैं! हम सुबह 5 बजे सोए और तब तक डांस किया जब तक कि हमारे पैर दर्द करने लगे... यह सबसे बेहतरीन एहसास था, उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा। यह गेट–टुगेदर आयुष्मान की नई फिल्म उड़ता तीर की सिनेमाघरों में रिलीज के समय ही हुई, जिससे अभिनेता के लिए यह दिन दोगुना खास हो गया।

बग बॉस 20 में रोहित शेट्टी ने किया अपने घर पर हुई फायरिंग का जिक्र

पिछले दो वर्षों में, मुंबई में सलमान खान, रोहित शेट्टी और हाल ही में टाइगर श्रॉफ सहित कई प्रमुख बॉलीवुड हस्तियों को निशाना बनाकर फायरिंग की घटनाएं हुई हैं। हालांकि रोहित शेट्टी ने मुंबई के जुहू स्थित अपने घर पर फरवरी में हुई फायरिंग की घटना (जिसमें पांच राउंड गोलियां चली थीं) के बारे में कभी सार्वजनिक रूप से बात नहीं की लेकिन ‘बिग बॉस 20 के हालिया एपिसोड में उन्होंने बिना सीधे तौर पर नाम लिए, इस घटना का अप्रत्यक्ष रूप से जिक्र किया। बिग बॉस 20 के वीकेंड का

वार एपिसोड को होस्ट करते हुए, रोहित शेट्टी ने कंटेस्टेंट स्काउट ओपी, आसिफ और यंग डीएसए को फटकार लगाई क्योंकि वे एक समूह बनाकर बार–बार काजी तौकीर को निशाना बना रहे थे। फिल्म हस्तियों से जुड़ी वास्तविक जीवन की फायरिंग घटनाओं का उदाहरण देते हुए, रोहित ने कंटेस्टेंट्स से सवाल किया कि वे घर के अंदर खुद को गैंगस्टर के रूप में क्यों पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। रोहित ने कहा, यहां हमारे घर पर गोलियां चल रही हैं और तुम यहां गैंगस्टर बनकर घूम रहे हो ? 1 फरवरी को तड़के, मुंबई में रोहित शेट्टी की रिहायशी इमारत की पहली मंजिल पर कम से कम पांच राउंड गोलियां चलाई गई थीं। इसमें कोई घायल नहीं हुआ था, और बाद में मुंबई पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया। हाल ही में, टाइगर श्रॉफ को भी फायरिंग की एक घटना में निशाना बनाया गया। मुंबई पुलिस के अनुसार, यह घटना 18 अक्टूबर को शाम करीब 7 बजे जुहू इलाके में हुई, जब टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल क्लब से बाहर निकल रहे थे। आरोप है कि आरोपियों ने अभिनेता की कार पर गोलियां चलाईं। इस बीच, टाइगर श्रॉफ से जुड़ी घटना की जांच... गोलीबारी के मामले में यह बात सामने आई है कि अंधेरी के जिस होटल के कमरे में तीनों मुख्य आरोपी ठहरे थे, उसे अधिकारियों ने सील कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, मुंबई क्राइम ब्रांच इस आरोप की भी जांच कर रही है कि घटना से पहले हमलावरों ने किसी अज्ञात जगह पर गोली चलाने का अभ्यास किया था।

इमरान खान से तलाक पर पहली बार खुलकर बोलीं अवंतिका मलिक

बॉलीवुड एक्टर इमरान खान और उनकी एक्स वाइफ अवंतिका मलिक की शादी टूटने को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। हाल ही में अवंतिका ने एक पॉडकास्ट में अपने रिश्ते और तलाक के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अलग होने की पहल उनकी तरफ से नहीं, बल्कि इमरान की तरफ से हुई थी। दोनों ने अपने रिश्ते को बचाने की कोशिश की और करीब छह महीने तक अलग रहकर भी देखा, लेकिन जब हालात नहीं सुधरे तो उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। अवंतिका ने यह भी माना कि इस रिश्ते में किसी एक की गलती नहीं थी, बल्कि समय के साथ दोनों के बीच छोटी–छोटी बातें बढ़ती गईं।

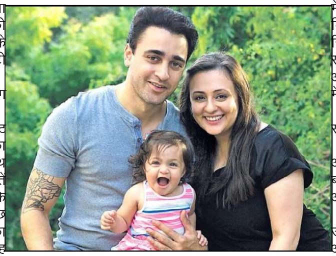

इमरान खान ने की थी अलग होने की पहल

सोहा अली खान के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अवंतिका मलिक ने इमरान खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में कई बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इमरान ने ही सबसे पहले कुछ समय के लिए अलग रहने का सुझाव दिया था। दोनों करीब छह महीने तक अलग रहे और इस दौरान उन्होंने अपने रिश्ते को एक और मौका देने की कोशिश की। हालांकि, जब चीजें बेहतर नहीं हुईं तो दोनों ने तलाक लेने का फैसला किया।

मैं कभी रिश्ता खत्म करने का फैसला नहीं लेती

अवंतिका ने बातचीत में कहा कि वह खुद कभी इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला नहीं लेतीं। उनके लिए शादी सिर्फ एक रिश्ता नहीं थी, बल्कि उससे जुड़ी उम्मीदें और भविष्य के सपने भी थे। उन्होंने बताया कि अलग होने का दौर उनके लिए बेहद मुश्किल था, क्योंकि उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा खत्म हो गया हो।

19 साल की उम्र में हुई थी इमरान से मुलाकात

अवंतिका ने बताया कि जब उनकी मुलाकात इमरान खान से हुई, तब वह महज 19 साल की थीं। कुछ साल तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने साल 2011 में शादी कर ली। उनकी एक बेटी इमारा भी है। अवंतिका के मुताबिक, कम उम्र में अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि उनकी खुशी और संतुष्टि की जिम्मेदारी उनके पार्टनर की है। समय के साथ जब दोनों की सोच और जरूरतें बदलती हैं, तो रिश्ते में मुश्किलें आने लगती हैं।

इमरान और मैंने एक–दूसरे के साथ नाइंसाफी की

अवंतिका ने माना कि उनके और इमरान के रिश्ते में किसी एक बड़ी घटना की वजह से दरार नहीं आई थी।

उनके मुताबिक, दोनों ने कम उम्र में साथ सफर शुरू किया था और करीब 18 साल के दौरान उनकी जिंदगी में कई बदलाव आए। इस दौरान छोटी–छोटी बातें और अधूरी उम्मीदें धीरे–धीरे जमा होती गईं। उन्होंने कहा कि दोनों ने अपने रिश्ते को बचाने के लिए पूरी कोशिश की, लेकिन एक समय ऐसा आया जब उन्हें समझ नहीं आया कि अब और क्या किया जा सकता है। अवंतिका के अनुसार, इस रिश्ते में दोनों से गलतियां हुईं और इसके लिए किसी एक को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं होगा।

दलेर मेहंदी के बेटे ने तोड़ी चुप्पी, चाचा मीका सिंह का जताया आभार

हाल ही में गायक दलेर मेहंदी कंट्रोवेसी को लेकर काफी चर्चा में बने हुए हैं। कुछ लोगों ने उनका साथ दिया तो वहीं कुछ लोग उन्हें काफी ट्रोल कर रहे हैं। इसी मामले को देखते हुए अब उनके बेटे ने चुप्पी तोड़ी है। यह विवाद हाल ही में उत्तराखंड में हुई दलेर मेहंदी की एक परफॉरमेंस को लेकर खड़ा हुआ है। सिंगर के बेटे ने खासतौर पर सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर अपने पिता का हाल बताया और उन सभी लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस बुरे समय में उनका साथ दिया, खासतौर पर उनके चाचा मीका सिंह। गुरदीप ने शनिवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने बताया कि जब यह घटना हुई, तब वह भारत से बाहर थे। वापस लौटने पर जब उन्होंने अपने पिता से पूछा कि उनका हाल–चाल कैसा है, तो हमेशा की तरह खुशमिजाज रहने वाले दलेर मेहंदी ने बस इतना कहा, फर्स्ट क्लास। गुरदीप ने आगे बताया कि उन्होंने एक इवेंट के दौरान भी यही बात कही थी, जो चर्चा का विषय बन गई। उन्होंने कहा कि वे एक परिवार के रूप में इस स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जाहिर है, हम तनाव में हैं, लेकिन एक परिवार के तौर पर हम मिलकर इसका सामना कर रहे हैं। सपोर्ट के लिए सभी का शुक्रिया, फिल्म इंडस्ट्री का भी धन्यवाद, जिसमें मेरे चाचा जी, मीका सिंह भी शामिल हैं। इस मुश्किल समय में उनके पिता का साथ देने के लिए इंडस्ट्री के सभी लोगों का आभार जताते हुए उन्होंने कहा, इसी तरह अपना प्यार हम पर बरसाते रहें। कृपया हमारा सपोर्ट करें। जैसा कि पापा कहते हैं, रब राक्खा।

इससे पहले, गुरदीप ने अपने पिता की सेहत के बारे में भी बात की और सबको भरोसा दिलाया कि दलेर मेहंदी बिल्कुल ठीक हैं। चल रहे विवाद पर कोई टिप्पणी न करते हुए, गुरदीप ने न्यूज एजेंसी से कहा, वे एकदम फर्स्ट क्लास, शानदार और सुपर हिट हैं, और उन्हें बहुत–बहुत शुभकामनाएं। उत्तराखंड में हुई परफॉरमेंस को लेकर खड़े हुए विवाद के बीच, इंडस्ट्री की कई जानी–मानी हस्तियों, जैसे कपिल शर्मा और सुदेश लहरी ने दलेर मेहंदी का समर्थन किया है।

नॉर्मल डिलीवरी के दौरान पॉटी आना मामूली बात, हर गर्भवती महिला जान लें ये बात

प्रेग्नेंसी के दौरान हर महिला चाहती है कि उसकी डिलीवरी सुरक्षित तरीके से हो और बच्चा स्वस्थ रहे। लेकिन जब नॉर्मल डिलीवरी का समय आता है, तो शरीर में होने वाले कई बदलावों को लेकर मन में सवाल उठने लगते हैं। कुछ बातें ऐसी भी होती हैं, जिनके बारे में महिलाएं खुलकर बात करने में झिझकती हैं। इन्हीं में से एक है लेबर पेन के दौरान पॉटी आ जाना। कई महिलाओं को लगता है कि ऐसा होना किसी परेशानी का संकेत है या इससे बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है। लेकिन क्या वाकई ऐसा है? उन्होंने बताया कि डिलीवरी के दौरान शरीर में होने वाले कुछ बदलाव सामान्य हो सकते हैं और इनके लिए पहले से मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी है।

नॉर्मल डिलीवरी के दौरान पॉटी आना क्या सामान्य है

डिलीवरी के समय महिला को पॉटी आ जाना कोई असामान्य बात नहीं है। दरअसल, जब बच्चा जन्म लेने के लिए नीचे की ओर आता है, तो उसके सिर का दबाव मलाशय यानी रेक्टम पर पड़ सकता है। इस वजह से महिला को पॉटी करने जैसा महसूस हो सकता है और कभी–कभी स्टूल पास भी हो जाता है। डिलीवरी के दौरान महिला को बच्चे को बाहर निकालने के लिए जोर लगाना पड़ता है। इस प्रक्रिया में शरीर की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिसके कारण पॉटी आ सकती है। यह लेबर के दौरान होने वाली एक सामान्य घटना है। ऐसी स्थिति में महिला को शर्मिंदा होने या घबराने की जरूरत नहीं है। मेडिकल टीम के लिए यह कोई नई या असामान्य बात नहीं होती। डॉक्टर और नर्स इस स्थिति को सामान्य तरीके से संभालते हैं और उनका पूरा ध्यान मां और बच्चे की सुरक्षा पर रहता है। हालांकि, केवल पॉटी आने के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि बच्चे का जन्म तुरंत होने वाला है। डिलीवरी कितनी आगे बढ़ी है, इसका पता अन्य लक्षणों और मेडिकल जांच से चलता है।

अक्सर महिलाएं सोचती हैं कि बच्चे के पैदा होते ही डिलीवरी की प्रक्रिया पूरी हो जाती है, लेकिन ऐसा नहीं है। बच्चे के जन्म के बाद प्लेसेंटा यानी गर्भनाल से जुड़ा अंग, जिसे अपरा भी कहा जाता है, बाहर निकलता है। इसे डिलीवरी का तीसरा चरण कहा जाता है। प्लेसेंटा गर्भावस्था के दौरान बच्चे को ऑक्सीजन और पोषण पहुंचाने में मदद करता है। बच्चे के जन्म के बाद इसका बाहर निकलना जरूरी होता है। इस प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है और मेडिकल टीम मां की स्थिति पर नजर रखती है। कई बार डॉक्टर या नर्स महिला को हल्का जोर लगाने या निर्देशों के अनुसार खांसने के लिए कह सकते हैं। यह स्थिति के हिसाब से किया जाता है। अगर प्लेसेंटा बाहर आने में देरी हो या अधिक ब्लीडिंग हो, तो डॉक्टर जरूरी कदम उठाते हैं। इसलिए बच्चे के जन्म के बाद भी मेडिकल टीम के निर्देशों का पालन करना जरूरी है।

बच्चे को जन्म देने के बाद कुछ महिलाओं को अचानक कंपकंपी महसूस हो सकती है। कई बार शरीर तेजी से कांपने लगता है, जिससे महिला और उसके परिवार

के लोग घबरा जाते हैं। हालांकि, डिलीवरी के बाद ऐसा होना कई महिलाओं में देखा जाता है और हर बार यह किसी गंभीर समस्या का संकेत नहीं होता। इसके पीछे हार्मोनल बदलाव, शरीर के तापमान में बदलाव, थकान, तनाव और डिलीवरी के दौरान शरीर पर पड़े दबाव जैसे कई कारण हो सकते हैं। कुछ मामलों में खून की अधिक कमी या दूसरी चिकित्सकीय समस्याएं भी कंपकंपी का कारण बन सकती हैं। इसलिए कंपकंपी को हमेशा सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर इसके साथ तेज बुखार, बहुत ज्यादा कमजोरी, चक्कर, सांस लेने में परेशानी, तेज ब्लीडिंग या बेहोशी जैसे लक्षण हों, तो तुरंत मेडिकल टीम को बताना चाहिए। डिलीवरी के बाद डॉक्टर मां के ब्लड प्रेशर, पल्स, ब्लीडिंग और दूसरी जरूरी चीजों की जांच करते हैं, ताकि किसी परेशानी का समय पर पता लगाया जा सके।

लेबर के दौरान शरीर में होने वाले बदलावों से घबराएं नहीं

नॉर्मल डिलीवरी के दौरान महिला के शरीर को काफी मेहनत करनी पड़ती है। गर्भाशय में संकुचन यानी कॉन्ट्रैक्शन होते हैं, बच्चा ध ीरे–धीरे नीचे की ओर आता है और महिला को जोर लगाने की जरूरत पड़ सकती है। इस दौरान शरीर में दबाव महसूस होना, पसीना आना, थकान होना और पॉटी करने जैसा एहसास होना संभव है। ये अनुभव हर महिला में एक जैसे नहीं होते। किसी की डिलीवरी जल्दी हो जाती है, जबकि किसी को अधिक समय लग सकता है। इसलिए दूसरी महिलाओं के अनुभवों से अपनी डिलीवरी की तुलना नहीं करनी चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि लेबर के दौरान डॉक्टर और नर्स जो निर्देश दें, उन्हें ध्यान से सुनें। अगर दर्द असहनीय लगे, अचानक कोई नया लक्षण दिखाई दे या मन में कोई डर हो, तो मेडिकल टीम को तुरंत बताएं। डिलीवरी को लेकर डर या घबराहट होना स्वाभाविक है, खासकर पहली बार मां बनने वाली महिलाओं के लिए। लेकिन सही जानकारी और डॉक्टर से बातचीत इस डर को कम करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर से सवाल पूछें: लेबर पेन, नॉर्मल डिलीवरी और अस्पताल में होने वाली प्रक्रिया के बारे में पहले से जानकारी लें। शरीर के संकेतों को समझें: अगर पानी की थैली फट जाए, ब्लीडिंग हो या बच्चे की हलचल कम महसूस हो, तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

मानसिक रूप से तैयार रहें: डिलीवरी के दौरान शरीर में कुछ ऐसे बदलाव हो सकते हैं, जिनके बारे में पहले जानकारी होना आपको सहज महसूस करा सकता है। मेडिकल टीम पर भरोसा रखें: डिलीवरी के समय शर्म या झिझक के कारण अपनी परेशानी छिपाएं नहीं। डॉक्टरों को हर जरूरी बात बताना मां और बच्चे की सुरक्षा के लिए अहम है।

नॉर्मल डिलीवरी के दौरान पॉटी आ जाना कई महिलाओं के साथ हो सकता है और आमतौर पर यह अपने आप में खतरे का संकेत नहीं है। बच्चे के जन्म के बाद प्लेसेंटा का बाहर निकलना भी डिलीवरी का जरूरी हिस्सा है। इसी तरह, डिलीवरी के बाद हल्की कंपकंपी कुछ महिलाओं में सामान्य हो सकती है, लेकिन इसके साथ दूसरे गंभीर लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर की मदद लेनी चाहिए। हर महिला की प्रेग्नेंसी और डिलीवरी अलग होती है। इसलिए किसी एक अनुभव को सभी पर लागू नहीं किया जा सकता। सही जानकारी रखें, डॉक्टर से खुलकर बात करें और डिलीवरी के दौरान शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर बेवजह शर्मिंदा न हों। मां और बच्चे की सुरक्षा हमेशा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घटा

एजेंसी,मुंबई। पिछले सप्ताह भारत की 10 सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ का कुल बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घट गया। इसकी वजह शेयर बाजार में बड़े स्तर पर बिकवाली होना था। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान प्रमुख शेयर सूचकांकों पर भारी दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स 1,605.44 अंक यानी 2.15 प्रतिशत गिर गया, जबकि निफ्टी में 546.15 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजार में कमजोरी का असर दिखाते हुए बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण चार कारोबारी सत्रों में 20.79 लाख करोड़ रुपए घट गया। यह 16 अक्टूबर के 472.62 लाख करोड़ रुपए से गिरकर 451.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण में कुल 1,55,671.9 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ऐसी दो कंपनियां रहीं, जिनके बाजार पूंजीकरण में सप्ताह के दौरान बढ़ोतरी दर्ज की गई। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक

गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 55,506.95 करोड़ रुपए घटकर 10.67 लाख करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के दौरान बैंक के शेयरों में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई। बजाज फाइनेंस बाजार पूंजीकरण में गिरावट के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। कंपनी का मूल्यांकन 34,180.51 करोड़ रुपए घटकर 5.77 लाख करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 27,065.08 करोड़ रुपए घटकर 16.10 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 21,062.24 करोड़ रुपए घटकर 4.81 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 9,360.75 करोड़ रुपए घटकर 11.79 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 4,338. 46 करोड़ रुपए घटकर 8.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 2,881.38 करोड़ रुपए घटकर 4.69 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 1,276.53 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 10.02 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं, बढ़त दर्ज करने वाली कंपनियों में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,517.56 करोड़ रुपए बढ़कर 9.15 लाख करोड़ रुपए हो गया। इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलएंडटी ने भी नकारात्मक रुझान के विपरीत प्रदर्शन किया। इसका बाजार पूंजीकरण 1,788.66 करोड़ रुपए बढ़कर 5.02 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

'मैं अभी भी सुन रहा हूं', रोहित शर्मा ने रिटायरमेंट पर पहली बार की खुलकर बात

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। भारतीय दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर पिछले कुछ महीनों से काफी चर्चा हो रही है। इस दौरान रोहित ने पहली बार अपने रिटायरमेंट की खबरों पर खुलकर बात की है। उन्होंने इन सभी खबरों को अफवाह बताया है।

भारत इसी साल इंग्लैंड दौरे पर गया था। इस दौरान कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रोहित लॉर्ड्स वनडे के बाद संन्यास ले लेंगे। मगर रोहित ने शतक लगाकर आलोचकों को करारा जवाब दिया था। बाद में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी रोहित के संन्यास की खबरों को अफवाह बताया था। हालांकि, अब रोहित ने खुद इन सभी बातों को खारिज कर दिया, जिससे 2027 वर्ल्ड कप को लेकर भी तस्वीर साफ हो गई है। रोहित ने इन्फ़ैमिली हाउस विद रोहित शर्मा शो पर अपने रिटायरमेंट पर खुलकर बात की। उनके शो में वो और मेहमान चंकी पांडे और करिश्मा कपूर मौजूद थे। इस दौरान तीनों फैंस के सवालों का जवाब दे रहे थे। इसी बीच उनसे अपने बारे में सुनी गई सबसे चर्चित अफवाह साझा करने को कहा गया। ऐसे में करिश्मा ने अपने डाइट, वहीं चंकी ने अपनी कंजूसी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी, जबकि रोहित ने अपने रिटायरमेंट की खबरों पर खुलकर बात की। रोहित का पिछले 10 वनडे में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने 55. 40 के औसत से 554 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक और दो शतक शामिल है। रोहित का इस दौरान स्ट्राइकर रेट 110. 50 का रहा है। रोहित के संन्यास की अफवाहों पर विराम लगाने से 2027 वर्ल्ड कप को लेकर भी तस्वीर साफ हो गई है। विश्व कप का आयोजन अगले साल साउथ अफ्रीका, जिंबाब्वे और नामीबिया में होगा, जहां रोहित को खेलते हुए देखा जा सकता है। रोहित ने कहा, मैंने अपने बारे में जो अफवाह सुनी थी, जो मैंने पहले भी सुनी और अब भी सुन रहा हूं, वो यह है कि मैं रिटायर होने जा रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि हम तीनों के बारे में चल रही इन सभी अफवाहों पर अब विराम लग गया होगा।

आईटीएफ एम25 जीतकर हासिल किया साल का चौथा खिताब

एजेंसी,मुंबई। भारत के करण सिंह ने आईटीएफ सर्किट पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रविवार को कूपरेज स्थित महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में आयोजित 30,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले आईटीएफ मेंस वर्ल्ड टेनिस टूर एम25 टूर्नामेंट में उन्होंने सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। तीसरी वरीयता प्राप्त करण ने फाइनल में अपनी एकेडमी के साथी खिलाड़ी दिग्विजय प्रताप सिंह को हराया। दूसरे सेट में जब करण 7–5, 3–1 से आगे चल रहे थे, तब दिग्विजय को मैच से रिटायर होना पड़ा। यह 2026 सीजन में करण का चौथा खिताब है। 23 वर्षीय खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से बेहतरीन फॉर्म में हैं। मुंबई में मिली यह जीत पिछले दो महीनों में उनका

दूसरा खिताब है और वे इस दौरान चौथी बार फाइनल में पहुंचे हैं। आउटडोर हार्ड कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में, दोनों खिलाड़ियों के बीच पहला सेट काफी कड़ा रहा। एक घंटे से अधिक समय तक चले इस सेट में आखिरकार करण ने बाजी मारी और इसे 7–5 से जीत लिया। इसी लय को बरकरार रखते हुए, करण ने दूसरे सेट में 3–1 की बढ़त बना ली थी। तभी दुर्भाग्यवश, 1 घंटे 32 मिनट के खेल के बाद दिग्विजय को मैच से हटना पड़ा, जिससे करण को आधिकारिक तौर पर चैंपियनशिप ट्रॉफी मिल गई। मुंबई में खेले गए पूरे टूर्नामेंट के दौरान करण ने एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में नितिन कुमार सिन्हा को 6–4, 6–4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने शानदार सर्विस का प्रदर्शन किया और क्वालीफायर आदित कल्याणपुर को 1 घंटे 38 मिनट में 7–5, 6–3 से हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ रावत के मैच से हटने (3–4 रिटायर्ड) के बाद आगे बढ़े करण ने सेमीफाइनल में चिराग दुहन के खिलाफ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी सर्विस पर 100 प्रतिशत होल्ड रेट बनाए रखा। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने दुहान को 6–3, 6–2 से हराया और केवल 1 घंटे 19 मिनट में फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। ड्रॉ के दूसरी तरफ, दिग्विजय का मुंबई में भी यह हफ्ता बहुत शानदार रहा, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में बाकू में आईटीएफ एम15 खिताब जीता था। दिग्विजय ने सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त गैरेट जॉन्स को 6–4, 6–2 से हराकर बाहर किया और राउडग्लास टेनिस अकादमी के लिए पोडियम पर 1–2 की स्थिति सुनिश्चित की।

हरियाणा के खिलाफ भी शार्दुल ठाकुर के बिना खेलेगी मुंबई टीम : रणजी ट्रॉफी

एजेंसी,नयी दिल्ली। मुंबई की रणजी टीम को अपने अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की सेवाएं हरियाणा के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं मिल पाएंगी। उंगली की चोट से उबर रहे ठाकुर सोमवार से बीकेसी कॉम्प्लेक्स में शुरू होने वाले एलीट राउंड 3 के मुकाबले में हरियाणा के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। सीजन के पहले राउंड से ठीक पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोटिल होने के बाद से ही ठाकुर मैदान से बाहर हैं। मुंबई टीम के साथ ट्रेनिंग में लौटने के बावजूद, वह अभी तक पूरी तरह से मैच खेलने के लिए फिट नहीं हो पाए हैं। शुरुआत में उम्मीद थी कि वह कम से कम पहले दो राउंड से बाहर रहेंगे और माना जा रहा था कि वह हरियाणा के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। क्रिकइन्फो के अनुसार, मुंबई ने उनकी वापसी में जल्दबाजी न करने का फैसला किया है। टीम उसी स्क्वॉड के साथ उतरेगी, जिसने अपने पिछले मैच में बिलासपुर में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। 34 वर्षीय ठाकुर आखिरी बार अगस्त के आखिर में वेस्ट जोन की ओर से नॉर्थ जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में खेले थे। उस मैच में उन्होंने 14 ओवर में एक विकेट लिया था और अपनी इकलौती पारी में 10 रन बनाए थे, जिसमें

वेस्ट जोन को 54 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की कोशिशों के बीच, ठाकुर न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की चल रही टी20 इंटरनेशनल सीरीज में कमेंट्री करते हुए भी नजर आएंगे।

मुंबई ने अपने रणजी ट्रॉफी अभियान की शानदार शुरुआत की है। उन्होंने लगातार दो मैचों में पारी से जीत हासिल करके 14 अंक जुटाए हैं और एलीट ग्रुप डी में टॉप पर पहुंच गए हैं। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ एक पारी और 155 रनों से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, और इसके बाद बिलासपुर में हिमाचल प्रदेश को एक पारी और 97 रनों से हराया था। कई खिलाड़ियों के उपलब्ध न होने के कारण मुंबई अपनी टीम के संसाधनों का बहुत सावधानी से इस्तेमाल कर रही है। उप–कप्तान आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, जबकि ओपनर यशस्वी जायसवाल भारत ए सीरीज में खेलने के बाद आगामी टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड में हैं। इस बीच, हरियाणा भी अपने शुरुआती दो मैच जीतकर इस मुकाबले में उतर रहा है, जिससे ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के बीच भिड़ंत तय हो गई है।

पीटी उषा ने एशियन पैरा गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर भारतीय एथलीटों की तारीफ की

एजेंसी,नयी दिल्ली। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने रविवार को जापान के आइची–नागोया में हुए एशियन पैरा गेम्स 2026 में देश के पैरा–एथलीटों को रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के लिए बधाई दी। भारत ने 114 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। पीटी उषा ने एक्स पर लिखा, एशियन पैरा गेम्स में हमारे पैरा–एथलीटों ने हिम्मत, पक्का इरादा और पूरी काबिलियत का जबरदस्त प्रदर्शन किया। जीता गया हर एक मेडल आपके पक्के इरादे और घंटों की कड़ी मेहनत का सबूत है। आपने न सिर्फ देश को गर्व महसूस कराया है, बल्कि पूरे भारत में लाखों लोगों को हर मुश्किल के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित भी किया है। हमारे सभी शानदार चैंपियन, कोच और सपोर्ट स्टाफ को दिल से बधाई। चमकते रहो और ऊंचे उठते रहो। भारत ने अपना कैंपेन 30 गोल्ड, 35 सिल्वर और 49 ब्रॉन्ज मेडल के साथ खत्म किया, जो चीन के हांगझोऊ में 2023 एडिशन में हासिल किए गए 27 गोल्ड समेत 108 मेडल के अपने पिछले श्रेष्ठ प्रदर्शन से ज्यादा है। टीम ने लगातार दूसरे एडिशन में 100 मेडल का आंकड़ा भी पार किया, जिससे पैरा–स्पोर्ट्स में भारत की बढ़ती मौजूदगी का पता चलता है। पैरा–एथलेटिक्स का भारत की पदकों की संख्या में अहम योगदान रहा। पैरा–एथलेटिक्स में भारत ने 22 गोल्ड, 19 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज समेत 65 मेडल जीते। पैरा–बैडमिंटन में देश को 16 मेडल जीते, जबकि पैरा–स्विमिंग ने 11 मेडल जीते। भारत ने पैरा–आर्चरी में भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें छह मेडल जीते, और शूटिंग में पांच मेडल मिले। शानदार प्रदर्शन करने वालों में, सुमित अंतिल ने पुरुषों की जवलिन थ्रो कैटेगरी में अपना गोल्ड सफलतापूर्वक बचाया, स्प्रिंटर सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी12 दोनों इवेंट में गोल्ड जीता, और दोनों रेस में गेम्स रिकॉर्ड बनाए। शूटर मोना अग्रवाल ने भी महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच1 इवेंट में रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता। भारत के कैंपेन में पैरा–टेबल टेनिस में भी एक खास उपलब्धि रही, जहां 50 साल के जेहान दोराब मदन ब्रॉन्ज मेडल जीता और गेम्स में देश के सबसे उम्रदराज मेडलिस्ट बन गए।

हीरो होंडा चौक फ्लाईओवर का फिर से गिरा लेंटर

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार का सुबूत : पंकज डावर

▢ करीब दो साल पहले थोड़ा गड्ढा बना था, अब नजर आने लगा सरियों का जाल

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। राष्ट्रीय राजमार्ग–48 (छ–48) पर स्थित हीरो होंडा चौक फ्लाईओवर के जयपुर–दिल्ली लेन की सड़क एक बार फिर क्षतिग्रस्त हो गई है। फ्लाईओवर का लेंटर (स्लैब) टूटने के कारण नीचे का सरिया साफ नजर आने लगा है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण पर भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वर्ष 2017 में उद्घाटन के बाद से इस फ्लाईओवर में अब तक पांच बार बड़े गड्ढे और सुराख हो चुके हैं। वर्ष 2018 और 2019 में कंक्रीट गिरने के बाद आईआईटी बॉम्बे से इसका सेफ्टी ऑडिट भी कराया गया था, जिसमें खराब निर्माण सामग्री की बात सामने आई थी। इसके बावजूद पिछले दो वर्षों से इस व्यस्त हाईवे की एक लेन का दाहिना हिस्सा बंद पड़ा है, जिससे रोजाना गुजरने वाले लाखों वाहनों को भारी जाम का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि एनएचएआई और जिला प्रशासन ने तुरंत इसकी स्थायी मरम्मत नहीं कराई, तो आने वाले सर्दियों के मौसम में कोहरे के कारण यहां बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। कांग्रेस ने मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

27 अक्टूबर को होगा मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन की चोट का स्कैन

एजेंसी,वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन की चोट कितनी गंभीर है, यह जानने के लिए मंगलवार (27 अक्टूबर) को उनका स्कैन किया जाएगा। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने यह जानकारी दी है। हेनरी अब बाकी बचे हुए तीन टी20 मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। वह क्राइस्टचर्च में ही रुकेंगे और 2 नवंबर को ऑकलैंड में वनडे टीम के साथ जुड़ेंगे (पहला वनडे शुरू होने से दो दिन पहले)। शनिवार के मैच में इस तेज गेंदबाज ने सिर्फ दो ओवर फेंके थे, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। कप्तान मिचेल सेंटनर ने बताया कि उन्हें पिंडली में जकड़न महसूस हो रही थी। फर्ग्यूसन भी एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर चले गए थे और वह वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच में नहीं खेलेंगे। उम्मीद है कि वह ऑकलैंड और हैमिल्टन में होने वाले आखिरी दो मैचों के लिए टीम में वापस आ जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा रविवार को जारी एक वीडियो में वाल्टर ने कहा, दोनों खिलाड़ियों की स्थिति देखी जा रही है। सार्वजनिक अवकाश के बाद, मंगलवार को उनका स्कैन कराया जाएगा। इसके बाद हमें उनकी चोट के बारे में और जानकारी मिल सकेगी। हमेशा की तरह

हम यही उम्मीद कर रहे हैं कि सब कुछ ठीक रहे, ताकि वे जल्द से जल्द वापसी कर सकें। उन्होंने आगे बताया कि न्यूजीलैंड ने शुरू से ही पूरी सीरीज के दौरान अपने तेज गेंदबाजों को रोटेट करने की योजना बनाई थी। इसका मकसद खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करना और उनमें से कुछ को आगे होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज और दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार करना था।

इस योजना के तहत, एडम मिल्ने पिछला मैच नहीं खेले थे, जबकि काइल जैमीसन तीसरा टी20 खेलेंगे और उसके बाद वेलिंगटन में ही रुककर कैंटरबरी के लिए बेसिन रिजर्व में फोर्ड ट्रॉफी मैच खेलेंगे। ब्लेयर टिकनर आखिरी तीन मैचों के लिए टीम से जुड़ेंगे, जोश क्लार्कसन आखिरी दो मैचों के लिए टीम का हिस्सा बनेंगे, और मैट फिशर वेलिंगटन टी20 में कवर (बैकअप) के तौर पर टीम के साथ जुड़ेंगे। वाल्टर ने कहा, शुरुआत से ही हमने कहा है कि हम कई अलग–अलग तेज गेंदबाजों का इस्तेमाल करेंगे। ऐसा इसलिए है ताकि वर्कलोड को मैनेज किया जा सके और कुछ गेंदबाजों को आने वाले लंबे फॉर्मेट के मैचों के लिए तैयार किया जा सके। कभी–कभी लगातार टी20 मैच खेलना इसके लिए सही तरीका नहीं होता है। हमने मैट हेनरी को घर पर ही छोड़ दिया है। लॉकी फर्ग्यूसन एक मैच नहीं खेलेंगे। एडम मिल्ने पिछला मैच नहीं खेले थे। हम अपने तेज गेंदबाजों के रोटेशन पर काम कर रहे हैं। ब्लेयर टिकनर और मैट फिशर टीम से जुड़ेंगे।

उन्होंने आगे कहा, हम इस प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, यह कोई एकदम सटीक विज्ञान नहीं है, लेकिन हम हर किसी को तैयार होने का मौका देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही, जब वह मैदान पर उतरें तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए कारगर साबित होगा। उन्होंने कप्तान मिचेल सैंटनर की भी खास तारीफ की। दूसरे टी20 मैच में सैंटनर ने 4 विकेट लिए थे वो भी ऐसी पिच पर, जहां गेंद ज्यादा टर्न नहीं हो रही थी, उन्होंने न्यूजीलैंड को जीत के करीब पहुंचा दिया था। वाल्टर ने उनकी गति में बदलाव और क्रीज के इस्तेमाल की भी सराहना की। वाल्टर ने कहा, अगर मैं गेंदबाजी की बात करूं, तो मुझे लगता है कि कई बार लोग यह नहीं समझ पाते कि वह कितने कुशल खिलाड़ी हैं। शनिवार को उन्होंने अपने सभी कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। पिच पर गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं हो रही थी, बस थोड़ा बहुत बाउंस था। मगर जिस तरह से उन्होंने क्रीज का इस्तेमाल करते हुए गेंद को मूव कराया और अपनी गति में बदलाव किया, वह वाकई कमाल का था। अगर आप इस कला की कद्र करते हैं, तो यह एक शानदार प्रदर्शन था।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 53,337 करोड़ रुपए इक्विटी से निकाले

एजेंसी,नयी दिल्ली। कच्चे तेल के बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर रहने से विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में रुझान बिकवाली का बना हुआ है और वे लगातार इक्विटी से पैसे निकाल रहे हैं। यह बयान एनालिस्ट की ओर से रविवार को दिया गया। अक्टूबर में अब तक एफपीआई (फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स) की कुल बिक्री 53,337 करोड़ रुपए रही है। हालांकि, इस दौरान एफपीआई ने भारतीय आईपीओ बाजार में 5,281 करोड़ रुपए का निवेश किया है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा, इस साल एक्सचेंजों के जरिए एफपीआई की कुल बिकवाली 3,69,164 करोड़ रुपए रही। निवेश प्रवाह के मोर्चे पर, एफपीआई लगातार 10वें हफ्ते शुद्ध बिकवाल बने रहे। 23 अक्टूबर को समाप्त हुए हफ्ते में, एफपीआई ने अपनी बिकवाली काफी कम कर दी और दो दिन तो वे खरीदार भी बन गए। यूएस बॉन्ड यील्ड में नरमी (10–साल की यील्ड का 5.36 प्रतिशत से घट गया।

वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले बने पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी

एजेंसी,लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के वनडे कप्तान शाहीन अफरीदी ने रविवार को गद्दाफी स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे ट्राई–सीरीज के दूसरे मैच में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपने 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। शाहीन इस फॉर्मेट में 150 विकेट लेने वाले सबसे तेज पाकिस्तानी तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने वकार यूनिस और शोएब अख्तर के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। 26 वर्षीय शाहीन ने अपने 80वें वनडे मैच में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि वकार यूनिस और शोएब अख्तर ने 91वें मैच में 150 विकेट पूरे किए थे। ट्राई–सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच से पहले शाहीन को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी। उन्होंने पहले ही ओवर में शानदार फॉर्म में चल रहे ओपनर टॉम बैंटन को आउट करके यह उपलब्धि हासिल कर ली। पिछली चार पारियों में लगातार चार बार 50 से ज्यादा रन बनाने वाले बैंटन ने एक फुल–लेंथ गेंद को कवर की दिशा में खेला, जहां आराफात ने एक आसान कैच पकड़ा। इस तरह शाहीन ने इस फॉर्मेट में अपने 150 विकेट पूरे किए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज पाकिस्तानी गेंदबाज हैं। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के महान ऑफ–स्पिनर सकलैन मुश्ताक हैं, जिन्होंने 78 मैचों में 150 विकेट पूरे किए थे। कुल मिलाकर, शाहीन दुनिया में 150 विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से चौथे सबसे तेज गेंदबाज हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ती दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.रू.UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: दीप्ती दुबे
कार्यकारी संपादक अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी

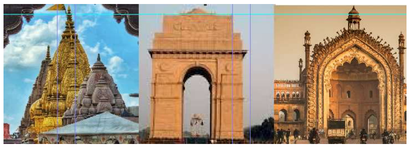

गृह मंत्रालय
भारत सरकार

ये है देश प्रेम की डगर
आइए चलें एकता नगर

आंतरिक सुरक्षा बलों का सम्मान
राष्ट्रीय एकता दिवस
31 अक्टूबर, 2026
एकता नगर, गुजरात

एक ही जगह देखें, एकता के रंग अनेक
भारत पर्व
1 से 15 नवंबर, 2026
एकता नगर, गुजरात

राष्ट्रीय एकता दिवस
31 अक्टूबर 2026
स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर, गुजरात

जानकारी और ठहरने की बुकिंग के लिए स्कैन करें या
विज़िट करें rashtriyaektadiwas.com

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

CBC 19101/13/0019/2627

स्मृति की बैठक के बाद राव इंद्रजीत की टी-डिप्लोमेसी से हरियाणा भाजपा में सियासी हलचल तेज

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा प्रभारी स्मृति ईरानी के चंडीगढ़ दौरे के तुरंत बाद केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खेमे में बड़ी राजनीतिक हलचल देखने को मिली है। स्मृति ईरानी के साथ हुई बैठक समाप्त होते ही राव इंद्रजीत सिंह और उनकी बेटी व हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर समर्थक विधायकों की एक चाय बैठक (टी–पार्टी) आयोजित की गई। शाम करीब 5 बजे सेक्टर 7–ए स्थित कोठी नंबर 82 पर दक्षिण हरियाणा के 7 विधायक एक–एक करके पहुंचे, जिनकी अगवानी खुद स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने की। लगभग पौने घंटे तक चली इस बैठक को लेकर राज्य के सियासी गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर राव परिवार या भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इस बैठक में आरती राव समेत कुल 8 विधायक शामिल हुए। इनमें गुरुग्राम से मुकेश शर्मा, पटौदी से बिमला चौधरी, सोहना से तेजपाल तंवर, कोसली से अनिल यादव, बावल से डॉ. कृष्ण कुमार, बाढड़ा से उमेद पातुवास और दादरी से सुनील सांगवान पहुंचे। गौरतलब है कि राव इंद्रजीत सिंह के पिछले आयोजनों की तुलना में इस बार कुछ प्रमुख चेहरे जैसे रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण यादव, महेंद्रगढ़ के कंवर सिंह यादव और नारनौल के ओमप्रकाश यादव यहां नजर नहीं आए।

स्मृति ईरानी की आधिकारिक बैठक से बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत में राव इंद्रजीत सिंह और आरती राव दोनों ने ही कार्यकर्ताओं की सुनवाई और उनके मान–सम्मान की बात कही थी। राजनीतिक विश्लेषक इस बैठक को अहीरवाल क्षेत्र और उसके बाहर राव परिवार के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव और आंतरिक लामबंदी से जोड़कर देख रहे हैं। इस पूरी बैठक को निजी रखते हुए इसकी कोई भी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा नहीं की गई है।

ईरानी सेना अमेरिकी लुकास ड्रोन को मार गिराया

एजेंसी,तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। रविवार सुबह ईरानी सेना ने बंदर अब्बास के ऊपर उड़ रहे एक अमेरिकी लुकास ड्रोन को मार गिराने का दावा किया। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना की वायु रक्षा इकाइयों ने रविवार सुबह बंदर अब्बास के ऊपर उड़ रहे एक अमेरिकी लुकास ड्रोन को मार गिराया। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी ने एक्स पोस्ट में घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ईरान की सेना की वायु रक्षा ।

जापान के बोनिन द्वीप में कांपी धरती

एजेंसी,टोकयो । जापान के बोनिन द्वीप में रविवार सुबह 6. 3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों से इलाके में हलचल मच गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र प्रशांत महासागर के क्षेत्र में काफी गहराई पर था। शुरुआती रिपोर्टों में बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना की जानकारी साझा की। भूकंप का केंद्र प्रशांत महासागर के क्षेत्र में काफी गहराई पर था। 6.3 तीव्रता के भूकंप के इन झटकों से लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

हाल फिलहाल के समय में भूकंप की घटनाए जो पकड़ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ता तापमान, तेजी से पिघलते ग्लेशियर और लगातार बढ़ रही चरम मौसम संबंधी घटनाएं चिंगहाई–तिब्बत पठार में प्राकृतिक आपदाओं के खतरे को और बढ़ा सकती हैं। बीते गुरुवार को भी तिब्बत में 7.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई, जध्सिमें 16 लोगों की मौत हो गई और करीब 32 लोग घायल हुए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार सुबह भी तिब्बत में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

एक दिन पहले गुरुवार रात आए 7.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद शुक्रवार सुबह 5 बजकर 54 मिनट पर एक बार फिर धरती कांप उठी। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र धरती की सतह से लगभग 15 किलोमीटर की गहराई पर था।

लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी : सर्वप्रिय त्यागी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने अंबेडकर पार्क, बाहरी बस्ती, रामनगर (फर्रुखनगर) स्थित बूथ संख्या 193 पर कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 139वें संस्करण को सुना।

इसके उपरांत उन्होंने रामनगर मंडल में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' संवाद कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह एवं युवाओं को संबोधित किया। संवाद कार्यक्रम में सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों, जिम्मेदार युवाओं और संवैधानिक मूल्यों के सम्मान में निहित है। युवाओं को राष्ट्रहित, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक सोच, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति लोगों को प्रेरित करने में युवा शक्ति महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

जिला मीडिया प्रभारी अजय दुआ ने कहा कि जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने दोनों कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ सहभागिता की। मन की बात के सामूहिक श्रवण के साथ संवाद कार्यक्रम में युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा के प्रति अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री मनीष सैदपुर, जिला सचिव सचिन देवतवाल, जिला मीडिया सह प्रभारी वरुण चौहान, मार्केट कमेटी चेयरमैन दौलत राम, वाइस चेयरमैन कंवरपाल चौहान, नगर पालिका वाइस चेयरमैन प्रदीप यादव, मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन मानसिंह यादव, कार्यक्रम के सह संयोजक गुलशन कुमार, मंडल अध्यक्ष अनिल सैनी, पार्षद रामबीर यादव, पार्षद विकास कौशिक, प्रवीण कौशिक, विजेंद्र परमार, सूबेदार राजेश सैनी और त्रिलोक चंद सैनी सहित बड़ी संख्या में युवा शक्ति, मातृशक्ति एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पवन मेमोरियल ट्रस्ट ने किया विशाल भंडारा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, गुरुग्राम । गुडगांव गाँव स्थित 8 बिस्वा के भोले के शिव मंदिर परिसर में रविवार को स्व. पवन भारद्वाज उर्फ भोला की स्मृति में पवन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा 33वें वार्षिक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एडवोकेट सुशील कुमार भारद्वाज टुल्लर ने बताया कि कार्यक्रम में गुरुग्राम लोकसभा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी रहे राज बब्बर, स्थानीय विधायक मुकेश शर्मा, नगर निगम के उप महापौर अनूप सिंह, निगम पार्षद दलीप साहनी, पूर्व पार्षद संजय प्रधान, महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष पर्ल चौधरी, डा. मुकेश शर्मा सिलोखरा, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष केएल यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली